E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 131 | प्रयागराज, शुक्रवार 07 अगस्त, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

ट्रम्प बोले- अमेरिका के पास हथियारों का बड़ा जखीरा मौजूद,नए हथियार भी बन रहे, सीक्रेट शेयर करने वालों को लंबी जेल होगी

वॉशिंगटन डीसी/तेहरान। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प

ने दावा किया है कि अमेरिका के पास हथियारों का बड़ा जखीरा मौजूद है और जरूरत के मुताबिक नए हथियार भी तेजी से तैयार किए जा रहे हैं। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर लिखा कि अमेरिकी रक्षा कंपनियां इतिहास में सबसे ज्यादा नए प्लांट और फैक्ट्रियां बना रही हैं। ट्रम्प ने सेना से जुड़ी सीक्रेट जानकारियां लीक करने वालों को भी कड़ी चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों की पहचान की जा रही है। उन्हें लंबी जेल की सजा दी जाएगी। हालांकि, ट्रम्प ने यह नहीं बताया कि वह किस सीक्रेट जानकारी लीक का जिक्र कर रहे हैं। दरअसल, कुछ अखबारों में मीडिया रिपोर्ट्स के हवाले से दावा किया गया है कि अमेरिकी सेना के पास हथियार तेजी से खत्म होते जा रहे हैं। इनमें थाड और (ए.टी.ए.सी.एम.एस) जैसी लंबी दूरी की मिसाइलें शामिल हैं। पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्स:-1. ईरान-ओमान में होर्मुज स्ट्रेट के नए समुद्री रास्ते पर सहमतिः ईरान ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही के लिए नए समुद्री मार्ग की रूपरेखा पर ओमान के साथ सहमति बन गई है। दोनों देश जल्द इसकी संयुक्त घोषणा की तैयारी कर रहे हैं। 2. ट्रम्प बोले- 48 घंटे में होर्मुज डील पर तस्वीर साफ होगीः अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया कि ईरान के साथ बातचीत में अच्छी प्रगति हुई है और अगले 48 घंटे में समझौते की स्थिति साफ हो जाएगी। 3. ईरान बोला- ओमान से समझौते के बाद भी होर्मुज पूरी तरह सुरक्षित नहींः ईरान के विदेश मंत्रालय ने कहा कि ओमान के साथ सहमति बनने का मतलब यह नहीं है कि होर्मुज स्ट्रेट का खतरा खत्म हो गया। अमेरिका का सैन्य दबाव जारी रहा तो सुरक्षा जोखिम भी बना रहेगा। 4. रिपोर्ट- ईरान जंग में अमेरिका के 80फीसदी थाड इंटरसेप्टर खर्चः सीएनएन

की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान के साथ संघर्ष के दौरान अमेरिका अपने थाड मिसाइल डिफेंस सिस्टम के करीब 80फीसदी और पैट्रियट सिस्टम के लगभग आधे इंटरसेप्टर इस्तेमाल कर चुका है। 5. यूएनः लेबनान में 8 लाख से ज्यादा विस्थापित लोग घर लौटेः संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक, इजराइली हमले कम होने के बाद लेबनान में युद्ध के कारण विस्थापित हुए 8.21 लाख से ज्यादा लोग अपने घर लौट चुके हैं। शिपिंग ग्रुप्स की चेतावनी- होर्मुज में टोल लगा तो महंगाई बढ़ेगी-दुनिया के 8 बड़े शिपिंग ग्रुप्स ने संयुक्त राष्ट्र (यूएन) और इंटरनेशनल मैरीटाइम ऑर्गनाइजेशन (आईएमओ) से अपील की है कि होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों पर टोल या सर्विस फीस लगाने का विरोध किया जाए। ग्रुप्स का कहना है कि अगर ऐसा हुआ तो शिपिंग महंगी हो जाएगी, ऊर्जा की कीमतें बढ़ेंगी और दुनियाभर में महंगाई पर असर पड़ेगा। एक बार यह व्यवस्था लागू हुई तो दूसरे समुद्री रास्तों पर भी ऐसे शुल्क लगाए जा सकते हैं। सोमवार को ईरान ने कहा था कि होर्मुज स्ट्रेट खुलने के बाद ओमान के साथ मिलकर जहाजों को दी जाने वाली कुछ समुद्री सेवाओं के बदले शुल्क वसूला जाएगा।

पति के मौत वाले मुआवजे के लिए शादी कर रही महिलाएं,घायल सैनिकों से मैरिज के मामले बढ़े

मॉस्को। रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच रूस में एक नया घोटाला सामने आया है। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक कुछ महिलाओं पर आरोप है कि वे युद्ध पर जाने वाले सैनिकों से जल्दबाजी में शादी करती हैं और उनकी मौत के बाद मिलने वाले सरकारी मुआवजे पर कब्जा कर लेती हैं। रूसी मीडिया और अधिकारी ऐसी महिलाओं को 'ब्लैक विडो' कह रहे हैं। रूस में हाल के महीनों में कई ऐसे मामले सामने आए हैं, जिनमें सैनिकों ने मोर्चे पर जाने से ठीक पहले या अस्पताल में मौत से पहले शादी की। इस पूरे स्कैम में अस्पताल से लेकर सेना तक पर मिलीभगत के आरोप लग रहे हैं। सबसे चर्चित मामले में एक सैन्य अस्पताल की नर्स पर आरोप लगा कि उसने इलाज करा रहे पांच घायल सैनिकों से अलग-अलग समय पर शादी की। आरोप था कि सैनिकों की मौत के बाद वह उनका मुआवजा लेना चाहती थी। मामला सामने आने के बाद उसे नौकरी से निकाल दिया गया। पिता की मौत के बाद बेटी को पता चला- दो दिन पहले हुई थी शादी-सेंट

पीटर्सबर्ग की रहने वाली मारिया को सेना ने बताया कि उनके 59 साल पिता यूरी की यूक्रेन युद्ध में गोली लगने से मौत हो गई। लेकिन उन्हें सबसे बड़ा झटका तब लगा, जब पता चला कि युद्ध पर भेजे जाने से सिर्फ दो दिन पहले उनके पिता ने शादी कर ली थी। मारिया का कहना है कि उन्होंने उस महिला का नाम पहले कभी नहीं सुना था। वह उनके पिता से 22 साल छोटी थी। शादी के बाद वही कानूनी रूप से यूरी की सबसे करीबी रिश्तेदार बन गई और सरकारी मुआवजे की हकदार भी। मारिया का आरोप है कि उनके पिता के साथ धोखा हुआ। उनका यह भी दावा है कि पिता का फ्लैट भी बेच दिया गया और अब उनके पास पिता की याद में सिर्फ उस घर की चाबियां बची हैं, जो अब किसी काम की नहीं हैं। सैनिक की मौत पर मिलता है भारी मुआवजा-रूस में युद्ध में मारे गए सैनिक के परिवार को सरकार की ओर से कम से कम 50 लाख रूबल (करीब 62 लाख भारतीय रुपए) की एकमुश्त मदद मिलती है। कई अन्य भुगतान और बीमा जोड़ दिए जाएं तो यह रकम और भी ज्यादा हो सकती है। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

हवा में 171 फीट के रॉकेट को पकड़ेगा चॉपस्टिक टावर, जल्द होगा स्टारशिप का 14वां टेस्ट,मस्क बोले- सालभर में रोजाना 1 फ्लाइट होगी

टेक्सास। स्पेसएक्स इसी महीने इतिहास रचने की तैयारी में है। अगर सब कुछ योजना के मुताबिक रहा, तो कंपनी अगस्त खत्म होने से पहले अपने स्टारशिप का 14वां टेस्ट करेगी। इस टेस्ट में स्पेसएक्स की टीम लॉन्च टावर के जरिए स्टारशिप के ऊपरी हिस्से 'शिप' को हवा में कैच करने की कोशिश करेगी।सेप्सएक्स दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी इलॉन मस्क की कंपनी है। स्टारशिप स्पेसक्राफ्ट (ऊपरी हिस्सा) और सुपर हैवी बूस्टर (निचला हिस्सा) को कलेक्टिवली 'स्टारशिप' कहा जाता है। इस व्हीकल की ऊंचाई 403 फीट है। केवल स्टारशिप का ऊपरी हिस्सा 171 फीट का है। 'शिप' को टावर के 'चॉपस्टिक' आर्म्स से पकड़ेंगे-साउथ टेक्सास के स्टारबेस साइट पर 2 लॉन्च टावर हैं, जिनमें बड़े 'चॉपस्टिक' आर्म्स लगे हैं। यह स्टारशिप को पैड पर असेंबल करते हैं। इन्हीं टावर्स पर स्टारशिप को कैच करने की तैयारी है। इससे पहले स्पेसएक्स 3 टेस्ट फ्लाइट में स्टारशिप के निचले हिस्से बूस्टर को कैच करने का कारनामा कर चुकी है, लेकिन शिप को कैच करने की यह पहली कोशिश होगी। स्टारलिंक वी3 सैटेलाइट्स भी अंतरिक्ष में छोड़े जाएंगे-फ्लाइट 14 के जरिए स्टारलिंक वी3 सैटेलाइट्स का एक बैच भेजा जाएगा। यह मौजूदा सैटेलाइट्स से बड़े और

ज्यादा सक्षम हैं। 24 जुलाई को हुई फ्लाइट 13 में 20 स्टारलिंक वी3 भेजे गए थे, जो सब-ऑर्बिट में थे। फ्लाइट 14 में इन्हें ऑपरेशनल ऑर्बिट में रखा जाएगा। फ्लाइट 13 की सफलता ने बढ़ाया कंपनी का भरोसा-24 जुलाई को स्टारशिप की फ्लाइट 13 लॉन्च हुई थी। यह एक सब-ऑर्बिट उड़ान थी। इसकी हिंद महासागर में लैंडिंग कराई गई थी। मस्क ने बताया कि फ्लाइट 13 के दौरान वायुमंडल में वापस आते समय शिप की 'हीट शील्ड' पूरी तरह सुरक्षित रही। पूरा रॉकेट आज भी सुरक्षित है। हीट शील्ड की सफलता ने ही कंपनी को फ्लाइट 14 में टावर कैच का जोखिम लेने का आत्मविश्वास दिया है। हीट शील्ड की समस्या सुलझ चुकी है, जल्द रोजाना 1 फ्लाइट होगीस्पेसएक्स की अर्निंग्स कॉल के दौरान इलॉन मस्क ने स्टारशिप के भविष्य और इसकी रफ्तार को लेकर कई अहम बातें कहीं। उन्होंने कहा कि 'मैं किसी भी तरह की नजर नहीं लगाना चाहता, लेकिन मुझे लगता है कि इस मोड़ पर हीट शील्ड की समस्या पूरी तरह से सुलझ चुकी है।' उन्होंने कहा कि 'हम उम्मीद करते हैं कि उड़ानों की रफ्तार बहुत तेजी से बढ़ेगी। संभवतः आज से एक साल बाद हम रोजाना कम से कम एक फ्लाइट करेंगे, या शायद उससे भी ज्यादा।'क्या हैं 'हीट शील्ड' और क्यों हैं जरुरी जब कोई स्पेसक्राफ्ट अंतरिक्ष से वापस पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करता है, तो हवा के घर्षण से अत्यधिक गर्मी पैदा होती है। तापमान हजारों डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है। 'हीट शील्ड' स्पेसक्राफ्ट के बाहरी हिस्से पर लगाई जाने वाली एक सुरक्षात्मक परत है। यह इंसुलेटिंग मटीरियल से बनी होती है, जो इस गर्मी को झेलकर रॉकेट के अंदरूनी हिस्सों को जलने से बचाती है। स्टारशिप को दोबारा इस्तेमाल करने के लिए हीट शील्ड का सुरक्षित रहना सबसे जरूरी शर्त है।

पाकिस्तान की 'असली शासक' सेना में घबराहट, अचानक क्यों डरे हुए लग रहे मुनीर के अफसर- आख़िर क्या हैं इंडिया से!

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शनों और हिंसा के बीच कुछ ऐसी चीजें हुई हैं, जिसपर भारत और दुनिया का ध्यान गया है। बीते हफ्ते गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने एक चौंकाने वाले बयान में शहबाज शरीफ सरकार के पूरी तरह फेल होने और 'कॉकरोच' जैसे विरोध प्रदर्शनों के खतरे पर बात की। एक और अहम घटनाक्रम में पाकिस्तानी सेना ने मीडिया से अंग्रेजी में बात करते हुए कई दावे किए, जिसका मकसद विदेशी लोगों तक अपनी बात पहुंचाना था। सवाल ये है कि 'मजबूत' पाकिस्तानी सैन्य अफसर घबराहट में क्यों हैं। नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल सेक्रेटेरिएट की पूर्व डायरेक्टर तारा कार्था ने एनडीटीवी में अपने लेख में पाकिस्तान में हालिया दिनों में हुई हलचल पर बात की है। उनका कहना है कि ऐसा लगता है कि दिल्ली में हुए प्रदर्शन ने पाकिस्तान के अमीर और ताकतवर लोगों, खासतौर से आर्मी के बीच एक डर पैदा किया है। गृह मंत्री की सलाह-सबसे पहले गृह मंत्री के शायद कभी ना लागू हो सकने वाले सुझावों पर बात करते हैं। वे देश में निचले स्तर से सुधार चाहते हैं ताकि शासन व्यवस्था बेहतर हो और युवा खुश हों।

अमेरिका के 27 राज्यों में जानलेवा फंगस 'कैंडिडा ऑरिस',किसे सबसे ज्यादा खतरा? टेंशन में चिकित्सक

वॉशिंगटनः अमेरिका में कैंडिडा ऑरिस के बढ़ते मामलों ने मेडिकल एक्सपर्ट की चिंता बढ़ा दी है। सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) ने बताया है कि इस साल अब तक अमेरिका के 27 राज्यों में खतरनाक फंगस 'कैंडिडा ऑरिस' का स्ट्रेन पाया गया है। दवाओं के असर ना करने (ड्रग रेजिस्टेंस) और असरदार वैक्सीन या इलाज की कमी ने कैंडिडा ऑरिस को गंभीर चिंता का विषय बना दिया है। कैंडिडा ऑरिस (कौरिस) एक तरह का यीस्ट है, जो गंभीर बीमारी का कारण बन सकता है। यह उन लोगों में आसानी से फैलता है जो हेल्थकेयर सेंटर्स में गंभीर रूप से बीमार हैं। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन ने इसे 'क्रिटिकल-प्रायोरिटी फंगल पैथोजन' (बहुत खतरनाक फंगस) माना है। यह कई तरह के इन्फेक्शन का कारण बन सकता है। डब्लूएचओः- शरीर की व्हाइट ब्लड सेल्स बाहरी कीटाणुओं को मारने के लिए रिएक्टिव नाइट्रोजन स्पीशीज बनाती हैं लेकिन यह सुपरबग फंगस उनके बनने की प्रक्रिया को रोक देता है। इससे स्किन इन्फेक्शन और जानलेवा इन्फेक्शन (जैसे ब्लडस्ट्रीम इन्फेक्शन) हो सकते हैं। अमेरिका में कैंडिडा ऑरिस के मामलेः-अमेरिका की नेशनल पब्लिक हेल्थ एजेंसी ने बताया कि 25 जुलाई तक इसके 3,437 मामले आए हैं। पिछले साल यह आंकड़ा 4,290 था। कैलिफोर्निया में सबसे ज्यादा मामले (873) दर्ज किए गए। इसके बाद टेक्सास (433) और टेनेसी (283) का नंबर आता है। सीडीसी के अनुसार, हर साल कैंडिडा ऑरिस के मामलों की दर बढ़ रही है लेकिन 2022 से बढ़ने की रफ्तार धीमी हुई है। कोरियाई रिसर्चर्स ने सबसे पहले 1996 में इसकी खोज की थी। यह एक फैलने वाली बीमारी है, जो संक्रमित व्यक्ति के सीधे संपर्क में आने से या अप्रत्यक्ष रूप से दूषित सतहों के जरिए फैलती है। इसके अलावा यह फंगस सतहों और चीजों पर लंबे समय तक बना रह सकता है और मरीजों में फैल सकता है। किन लोगों को ज्यादा खतरा-कैंडिडा ऑरिस से मौत की दर 30फीसदी से 60फीसदी के बीच मानी जाती है। सीडीसी का कहना है कि यह पता लगाना मुश्किल है कि पहले से मौजूद अन्य बीमारियों की तुलना में उनकी मौत मेंइस फंगस की कितनी भूमिका थी क्योंकि संक्रमण के शिकार ज्यादातर मरीज पहले से ही बीमार थे। ऐसे में इस बीमारी को लेकर अभी कई चीजें साफ होना बाकी है।

ट्रम्प बोले- ईरान ने कहा आइए बात करते हैं,अगले 48 घंटे में स्थिति साफ हो जाएगी, ईरान बोला- अमेरिका से कोई बातचीत नहीं हो रही

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया कि ईरान ने खुद

अमेरिका से बातचीत की इच्छा जताई है। उन्होंने कहा-'ईरान ने फोन कर मुझसे कहा कि आइए बात करते हैं। अगर ईरान समझौता करता है तो यह उसके लिए बेहतर होगा।' ट्रम्प ने यह भी कहा कि ईरान के साथ बातचीत में काफी प्रगति हुई है और अगले 48 घंटे में स्थिति साफ हो जाएगी। दूसरी ओर, सीएनएन के मुताबिक ईरान ने कहा है कि अमेरिका से कोई बातचीत नहीं चल रही है। होर्मुज स्ट्रेट में नए रास्ते पर समझौते की बातचीत भी सिर्फ ओमान से हो रही है। इसमें अमेरिका या किसी तीसरे पक्ष को दखल नहीं देना चाहिए। पिछले 24 घंटे के 4 बड़े अपडेट्स-1. यमन में भारतीय जहाज पर हमला- यमन के पास लाल सागर में भारतीय झंडे वाले कारोबारी जहाज पर हमला हुआ है। जहाज 'एमएसवी फैजे नूर-ए-औलिया' हमले में डूब गया। सवार सभी 13 भारतीय नागरिकों को बचा लिया गया। 2. ईरान में विदेश मंत्री अब्बास अराघची को हटाने की तैयारी- ईरान के कुछ सांसद विदेश मंत्री अब्बास अराघची के खिलाफ महाभियोग लाने की तैयारी कर रहे हैं। उनका आरोप है कि अमेरिका से बातचीत और संभावित समझौते ने देश के हितों को नुकसान पहुंचाया है। 3. राष्ट्रपति पजशकियान की ताकत घटी- इजराइली चैनल 14 की रिपोर्ट के मुताबिक सुरक्षा, विदेश नीति और परमाणु कार्यक्रम जैसे अहम मामलों में अब राष्ट्रपति की भूमिका सीमित कर दी गई है। इन फैसलों में आईआरजीसी कमांडर अहमद वाहिदी की राय अंतिम मानी जाएगी। 4. अमेरिका-ईरान समझौते की उम्मीद से कच्चे तेल के दाम गिरे-होर्मुज स्ट्रेट पर समझौते की उम्मीद के बाद अमेरिकी डब्लूटीआई क्रूड करीब 5फीसदी गिरकर 76.32 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया, जबकि ब्रेंट क्रूड भी 80 डॉलर प्रति बैरल से नीचे पहुंच गया।

स्पेसएक्स का 4000 किलो वजनी रॉकेट चांद से टकराया,8,690किमी/घंटा की रफ्तार से अंतरिक्ष में घूम रहा था,नासा ने कहा- धरती को खतरा नहीं

फ्लोरिडा। इलॉन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स का एक बेकाबू रॉकेट चांद की सतह से टकरा गया है। 4 हजार किलो वजनी यह रॉकेट करीब 8,690 किमी/घंटा की रफ्तार से टकराया। नासा ने कहा कि इस टक्कर से पृथ्वी को कोई खतरा नहीं है। यह बेकाबू 45 फीट का टुकड़ा स्पेसएक्स के फाल्कन 9 रॉकेट का ऊपरी हिस्सा है। इसे जनवरी 2025 में फ्लोरिडा से अमेरिका और जापान के दो लूनर लैंडर को अंतरिक्ष में भेजने के लिए लॉन्च किया गया था। मिशन पूरा होने के बाद रॉकेट का यह हिस्सा अंतरिक्ष में तैरता रह गया। पिछले 18 महीनों के दौरान पृथ्वी, चंद्रमा और सूर्य के गुरुत्वाकर्षण की वजह से इसका रास्ता धीरे-धीरे बदल गया। खगोलविदों ने डेटा का अध्ययन करके पहले ही अनुमान लगा लिया था कि यह रॉकेट भटककर सीधे चांद की ओर जा रहा है और उससे टकराएगा। आइंस्टीन क्रेटर के पास टक्कर हुई-यह टक्कर चांद के 'आइंस्टीन क्रेटर' के पास हुई। यह क्षेत्र चांद के उस हिस्से में है जहां दिन का उजाला रहता है और जो पृथ्वी से

दिखाई देता है। हालांकि, वैज्ञानिकों के मुताबिक इसे आम टेलिस्कोप से देखना नामुमकिन था, क्योंकि टक्कर के वक्त बनी रोशनी बेहद हल्की थी। कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी के खगोलविद डॉ. मैट बोथवेल का कहना है कि टक्कर के कारण चांद की धूल का एक बड़ा गुबार उठा होगा, जो 100 किलोमीटर तक ऊपर गया होगा और कई मिनटों तक रहा होगा। तस्वीरों के लिए इंतजार करना होगा, ऑर्बिटर जारी करेंगे डेटा-फिलहाल जब यह हादसा हुआ, तब चांद का चक्कर लगा रहा कोई भी स्पेसक्राफ्ट सही पोजिशन में नहीं था, इसलिए लाइव तस्वीरें नहीं मिल पाई हैं। दक्षिण कोरिया का 'दानुरी' ऑर्बिटर और नासा का 'लूनर रिकोनिसेंस ऑर्बिटर' (एलआरओ) आने वाले दिनों में टक्कर वाली जगह के ऊपर से गुजरेंगे और तस्वीरें लेंगे। वैज्ञानिक पुरानी और नई तस्वीरों की तुलना करके चांद की सतह पर बने नए निशान की पहचान करेंगे। चांद पर पहले से मौजूद है 190 टन कचरा। इस टक्कर के बाद चांद पर इंसानों की छोड़ी गई या दुर्घटनाग्रस्त हुई चीजों की संख्या बढ़कर लगभग 3,000 हो गई है। इनका कुल वजन करीब 190 टन हो चुका है। सितंबर 1959 में सोवियत संघ का 'लूना 2' चांद की सतह पर पहुंचने वाला पहला मानव निर्मित ऑब्जेक्ट था। इसके अलावा नासा के अकेले अपोलो प्रोग्राम से जुड़ी 796 चीजें चांद पर मौजूद हैं। चांद पर कोई वायुमंडल या पर्यावरण नहीं है, इसलिए इस कचरे से वहां किसी ईकोसिस्टम को नुकसान नहीं पहुंचता। हालांकि, वैज्ञानिक चिंतित हैं कि भविष्य में बढ़ते लूनर ट्रैफिक के कारण ऐतिहासिक अपोलो लैंडिंग साइट्स को नुकसान न पहुंचे और नए स्पेसक्राफ्ट्स के टकराने का जोखिम न बढ़े। नासा और वैज्ञानिकों को इस टक्कर से क्या फायदा होगा? साइंस म्यूजियम की स्पेस हेड लिब्बी जैक्सन के अनुसार, यह वैज्ञानिकों के लिए काफी रोमांचक प्रयोग है क्योंकि रॉकेट की स्पीड, वजन और आकार का डेटा पहले से मौजूद था। आमतौर पर जब कोई प्राकृतिक उल्कापिंड चांद से टकराता है, तो वैज्ञानिकों के पास उसका शुरुआती डेटा नहीं होता। इस टक्कर से बने नए गड्ढे और उड़ी हुई धूल की परत का अध्ययन करके वैज्ञानिक यह समझ सकेंगे कि अरबों साल पहले चांद और हमारे सौर मंडल का निर्माण कैसे हुआ था। इधर ऊपरी हिस्सा टकराया, उधर 18वीं बार उड़ने को तैयार बूस्टर-स्पेसएक्स के फाल्कन 9 रॉकेट का निचला हिस्सा रीयूजेबल होता है। इसे बूस्टर कहते हैं और लैंडिंग करके धरती पर वापस आ जाता है। जिस जनवरी 2025 वाले मिशन का ऊपरी हिस्सा भटककर चांद से टकराया, उसी रॉकेट के निचले बूस्टर को 10 अगस्त को 18वीं बार लॉन्च किया जाएगा। नॉलेज पार्टः जानें क्या है स्पेस डैब्रिस और आइंस्टीन क्रेटर-इंसान द्वारा अंतरिक्ष में भेजे गए रॉकेट्स के छूटे हुए टुकड़े, निष्क्रिय सैटेलाइट्स और मलबे को स्पेस डैब्रिस कहा जाता है। वहीं चंद्रमा के पश्चिमी किनारे पर स्थित एक बड़ा गड्ढा है, जिसका व्यास करीब 170 किलोमीटर है। इसे आइंस्टीन क्रेटर नाम दिया गया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प की सुरक्षा में चूक, हेलिकॉप्टर के पास से उड़ी कमर्शियल फ्लाइट

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के

आधिकारिक हेलिकॉप्टर मरीन वन की उड़ान के दौरान सुरक्षा में चूक हुई है। मंगलवार को व्हाइट हाउस से उड़ान भरते समय मरीन वन और एक यात्री विमान तय सुरक्षा दूरी से ज्यादा करीब आ गए। इसके बाद अमेरिकी विमानन नियामक एफएए ने मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना मंगलवार दोपहर करीब 2:30 बजे हुई। ट्रम्प व्हाइट हाउस से जॉइंट बेस एंड्रूज जा रहे थे। उसी समय एनवॉय एयर का एक यात्री विमान भी रीगन वॉशिंगटन नेशनल एयरपोर्ट से उड़ान भर गया। एफएए की शुरुआती जांच में पता चला कि दोनों विमान एक-दूसरे के सबसे करीब आने पर सिर्फ 1.3 किलोमीटर की दूरी पर थे। उनकी ऊंचाई में भी महज 700 फीट का अंतर रह गया था। अधिकारियों का कहना है कि दोनों विमान टक्कर की दिशा में नहीं थे और राष्ट्रपति की सुरक्षा को कोई खतरा नहीं हुआ। सुरक्षा में चूक कैसे हुई? वॉल स्ट्रीट जर्नल के मुताबिक, मरीन वन की उड़ान के दौरान रीगन वॉशिंगटन नेशनल एयरपोर्ट से कमर्शियल उड़ानों को कुछ देर के लिए रोक दिया जाता है। लेकिन इस बार ऐसा नहीं हुआ। एयर ट्रैफिक कंट्रोल समय पर उड़ानें नहीं रोक सका। इसी वजह से यात्री विमान ने भी टेकऑफ कर लिया-एफएए अब यह पता लगा रहा है कि सुरक्षा प्रक्रिया का पालन क्यों नहीं हुआ और एयर ट्रैफिक कंट्रोल से चूक कैसे हुई। एटीसी को तीन बार सूचना दी, जवाब नहीं मिला-द न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, उड़ान से पहले मरीन वन के क्रू ने कंट्रोल टावर को तीन बार बताया कि हेलिकॉप्टर तीन मिनट में उड़ान भरेगा। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

डीएम ने की ग्रामीण विकास योजनाओं की प्रगति की समीक्षा,योजनाओं के क्रियान्वयन में गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं समयबद्धता सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। बुधवार को

जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में ग्रामीण विकास विभाग की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में ग्रामीण क्षेत्र के समग्र विकास एवं शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर विभिन्न योजनाओं की बिंदुवार समीक्षा की गई।बैठक के दौरान वीबी जीरामजी, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) एवं मुख्यमंत्री आवास योजना सहित अन्य ग्रामीण विकास योजनाओं की प्रगति की विस्तार से समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से उपलब्ध कराया जाए। जिलाधिकारी ने प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री आवास योजनाओं के अंतर्गत स्वीकृत आवासों के निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सभी अपूर्ण आवासों को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूर्ण कराया जाए, वीबी जीरामजी योजना के अंतर्गत संचालित कार्यों की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि ग्राम स्तर पर विकास कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाया जाए तथा प्रत्येक कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप पूर्ण कराया जाए, जिन ग्राम पंचायतों में वीबी जीरामजी योजना के अन्तर्गत कार्य नहीं प्रारम्भ हुवे है, उन समस्त ग्राम पंचायतों में एक सप्ताह में एक-एक कार्य प्रारम्भ कराया जाए। जिलाधिकारी ने सभी खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने विकास खण्डों में नियमित भ्रमण कर योजनाओं की वास्तविक स्थिति का निरीक्षण करें तथा समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की शिथिलता न की जाए तथा निर्धारित लक्ष्यों की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित कराई जाए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अंजुलता, उपायुक्त श्रम एवं रोजगार प्रमोद सिंह, परियोजना निदेशक डीआरडीए मुनेश चन्द्र, जिला विकास अधिकारी वर्षा सिंह सहित जनपद के समस्त खण्ड विकास अधिकारी एवं संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहें।

मत्स्य विभाग की विभिन्न योजनाओं के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि अब 10 अगस्त तक बढ़ा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। बुधवार को मुख्य

कार्यकारी अधिकारी, मत्स्य पालक विकास अभिकरण, रायबरेली इरफानुल्लाह खान ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में मत्स्य विभाग द्वारा संचालित राज्य सेक्टर की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत ऑनलाइन आवेदन करने के लिए विभागीय पोर्टल http://fisheries.up.gov.in 16 जुलाई से 31 जुलाई 2026 तक एवं 31 जुलाई से बढ़ाकर 05 अगस्त 2026 तक खोला गया था। अधिक से अधिक आवेदन प्राप्त करने के उद्देश्य से ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि को पुनः 05 अगस्त से बढ़ाकर 10 अगस्त 2026 कर दी गई है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना, सघन मत्स्य पालन हेतु एयरेशन सिस्टम स्थापना योजना, उत्तर प्रदेश मत्स्य पालक कल्याण कोष के अंतर्गत मोपेड विद आइस बॉक्स परियोजना, माता सुकेता महिला मत्स्य पालक सशक्तिकरण परियोजना के अंतर्गत श्रेणी-1, 2 एवं 3 के जलाशय वाले जनपदों में केज स्थापना। अंतर्देशीय खारे जल क्षेत्रों में मत्स्यिकी विकास हेतु नए तालाब निर्माण एवं प्रथम वर्ष निवेश योजना एवं उत्तर प्रदेश में मोती संवर्धन योजना तथा विशिष्ट प्रजाति की मत्स्य हैंचरी स्थापना योजना के लिए इच्छुक लाभार्थी ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने बताया कि प्रत्येक योजना के लिए अलग-अलग विस्तृत विवरण, इकाई लागत, आवेदन प्रक्रिया तथा आवेदन के साथ संलग्न किए जाने वाले आवश्यक अभिलेख विभागीय वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यदि भविष्य में योजनाओं के प्रावधानों में कोई संशोधन किया जाता है तो संशोधित प्रावधान ही प्रभावी होंगे। पूर्व वर्षों में जिन आवेदकों के आवेदन निरस्त हो गए थे अथवा प्रतीक्षारत हैं, वे भी पुनः आवेदन कर सकते हैं। योजनाओं से संबंधित अधिक जानकारी के लिए आवेदक मत्स्य विभाग के जनपदीय, मंडलीय एवं मत्स्य निदेशालय के कार्यालयों में किसी भी कार्य दिवस पर संपर्क कर सकते हैं।

प्रयागराज शाहगंज ट्रिपल मर्डर का खुलासा, मुठभेड़ में अभियुक्त घायल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। थाना शाहगंज क्षेत्र

के गढ़ी कला में 4 अगस्त को हुए ट्रिपल मर्डर का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। किराए के कमरे में मिले 2 महिलाओं व 1 पुरुष के शव के मामले में वांछित अभियुक्त को आज दिनांक 06/08/2026 को पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार किया गया। पुलिस के मुताबिक सभी मृतक मूक-बधिर थे और कूड़ा बीनते थे। मुखबिर की सूचना पर शाहगंज, एयरपोर्ट व एसओजी की टीम ने भगवतपुर अंडरपास के पास घेराबंदी की। पुलिस को देखकर अभियुक्त ने फायरिंग की, जिसके बाद जवाबी कार्रवाई में उसके दोनों पैरों में गोली लगी।

गिरफ्तार अभियुक्त भी मूक-बधिर है।

पुलिस ने मौके से 1 तमंचा .315 बोर, 2 जिन्दा व 2 खोखा कारतूस और 4 मोबाइल बरामद किए। घायल अभियुक्त को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामले में आगे की जांच जारी है।

श्री राम समाज सेवा दल ने नैनी एडीए चौकी प्रभारी श्री लेखपाल सिंह व काशीराम प्रभारी श्री रामानन्द विश्वकर्मा का भव्य स्वागत किया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नैनी (प्रयागराज)। स्थानीय पुनीत अरोड़ा तथा श्री राम टूर एण्ड ट्रेवल्स के प्रबंधक श्री राम

नागरिकों और समाजसेवी संगठनों ने नैनी एडीए चौकी प्रभारी श्री लेखपाल सिंह तथा काशीराम प्रभारी श्री रामानन्द विश्वकर्मा का जोरदार स्वागत किया। स्वागत कार्यक्रम पाठक मार्केट स्थित श्रीराम टूर एण्ड ट्रेवल्स, नैनी द्वारा आयोजित किया गया था जिसमें समाजसेवी, स्थानीय व्यापारियों और जिला अपराध निरोधक समिति की यूथ टीम के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में आधुनिक समाचार के प्रबंधक नागरिकों की सुरक्षा, भीड़ प्रबंधन और प्रभावी यातायात व्यवस्था बनाए रखने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि चौकी प्रशासन के साथ समन्वय से यातायात प्रवाह नियंत्रित करने, आपातकालीन सेवाओं की तत्परता सुनिश्चित करने और सार्वजनिक जगहों पर अनुशासन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जा सकती है। चौकी प्रभारी श्री लेखपाल सिंह ने कहा कि पुलिस एवं स्थानीय संगठनों का सहयोग समुदाय सुरक्षा को मजबूत करता है। उन्होंने सावन और 15 अगस्त के दौरान विशेष पेट्रोलिंग, भीड़ नियंत्रण व्यवस्था तथा मार्गदर्शन के निर्देशों की जानकारी देते हुए नागरिकों से संयम व सहयोग की अपील की। काशीराम प्रभारी श्री रामानन्द विश्वकर्मा ने भी कहा कि स्थानीय प्रशासन द्वारा निर्धारित निर्देशों का पालन कर वे सुचारु व्यवस्थाओं को प्राथमिकता देंगे। स्वागत समारोह में मौजूद नागरिकों ने कहा कि इस तरह के सम्मान और सहयोगी मुलाकातें पुलिस-जनता विश्वास को विस्तृत करती हैं तथा सामुदायिक सुरक्षा में सकारात्मक योगदान देती हैं।

प्रयागराज में डेयरी कॉन्क्लेव का आयोजन, दुग्ध उत्पादन एवं पशुपालन विकास पर हुआ मंथन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में दिनांक

5 अगस्त 2024 को विकास भवन के सभागार में डेयरी कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य जनपद में दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देना, पशुपालकों की आय में वृद्धि तथा डेयरी क्षेत्र के विकास से संबंधित योजनाओं की समीक्षा एवं प्रभावी क्रियान्वयन पर चर्चा करना था। इस अवसर पर दुग्धशाला विकास अधिकारी श्री भानु प्रताप सिंह, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, पर्यवेक्षक श्री उदय प्रताप सिंह एवं श्री अभिषेक कुमार वर्मा सहित विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में डेयरी विकास से जुड़ी विभिन्न योजनाओं, पशुपालन को प्रोत्साहित करने, आधुनिक तकनीकों के उपयोग तथा दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के उपायों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। अधिकारियों ने संबंधित योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने तथा अधिक से अधिक पशुपालकों को इनका लाभ दिलाने पर जोर दिया।

बैरहना गांव में धान के खेत में मिला 50 वर्षीय व्यक्ति का शव, पुलिस जांच में जुटी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। मेजा क्षेत्र के

कोहड़ार चौकी अंतर्गत बैरहना गांव में आज गुरुवार सुबह धान के खेत में एक व्यक्ति का शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान प्रेमचंद यादव, उम्र लगभग 50 वर्ष के रूप में हुई है। शव संदिग्ध परिस्थितियों में खेत में पड़ा मिला। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और मौत के कारणों का पता लगाने में जुटी है।

रुद्राभिषेक करने से जीवन में मंगल ही मंगल होता है : स्वामी पंचमानंद जी महाराज

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। परम पूज्य, अनंत श्री

विभूषित महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 स्वामी पंचमानंद जी महाराज ने कहा कि श्रावण मास में भगवान शिव का रुद्राभिषेक अत्यंत पुण्यदायी और कल्याणकारी होता है। उन्होंने कहा कि श्रद्धा एवं विधि-विधान से किए गए रुद्राभिषेक से परिवार, समाज और राष्ट्र का कल्याण होता है तथा जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और मंगल का संचार होता है। स्वामी पंचमानंद जी महाराज ने अपने प्रवचन में कहा कि श्रावण मास भगवान शिव की आराधना का विशेष समय है। इस पावन माह में रुद्राभिषेक, जप, तप और शिव पूजा करने से भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं तथा जीवन के कष्ट दूर होकर चारों ओर मंगलमय वातावरण का निर्माण होता है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से श्रावण मास में नियमित रूप से भगवान शिव का रुद्राभिषेक एवं पूजा-अर्चना करने का आह्वान किया।

कमिश्नरेट प्रयागराज के गंगानगर जोन में अपराधों के रोकथाम तथा शांति एवं कानून-व्यवस्था को बनाए रखने के दृष्टिगत पुलिस को

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। कमिश्नरेट

प्रयागराज के गंगानगर जोन में अपराधों के रोकथाम तथा शांति एवं कानून-व्यवस्था को बनाए रखने के दृष्टिगत पुलिस उपायुक्त गंगानगर द्वारा बुधवार को कमिश्नरेट प्रयागराज के गंगानगर जोन में अपराधों के रोकथाम तथा शांति एवं कानून-व्यवस्था को बनाए रखने के दृष्टिगत पुलिस उपायुक्त गंगानगर द्वारा आज दिनांक-05.08.2026 को गंगानगर जोन अन्तर्गत विभिन्न स्थानों पर रात्रि पैदल गश्त करते हुए संदिग्ध व्यक्ति/वाहनों, प्रमुख हाईवे, चौराहों व स्थानों आदि की सघन चेकिंग का अभियान चलाया गया तथा रात्रि ड्यूटी में लगे पुलिस कर्मियों को चेक करते हुए सम्बंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।

के0पी0 कालेज खेल मैदान के आवंटन के सम्बन्ध में

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। कालेज के खेल

मैदान के आवंटन के सम्बन्ध में प्रधानाचार्य द्वारा यह बताया गया है कि माननीय उच्च न्यायालय के दिनांक 14.08.2025 को एक आदेश पारित किया है, जिसमें यह कहा गया कि छात्रों के पठन-पाठन में व्यवधान न हो। कार्यक्रम की वजह से दो विद्यालयों के छात्र प्रभावित होगें। जो आउटडोर खेल का स्थान है वह बरसात के पानी की वजह से खराब हो जायेगा, जिसे ठीक करने में बहुत दिक्कत व समय लगेगा। अतः कार्यक्रम की तिथि इस प्रकार हो विद्यालय की गतिविधियों में कोई बाधा न हो। माननीय उच्च न्यायालय के निर्णय व वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए अपने कार्यक्रम की तिथि बरसात के बाद अवकाश की तारीख में निश्चित करें। उपरोक्त तथ्यों के दृष्टिगत खेद के साथ पूर्व प्रदत्त अनुमति निरस्त की जाती है एवं आप द्वारा जमा की गयी धनराशि कार्यालय से प्राप्त कर सकते है।

मौलिक अधिकार पार्टी का स्थापना दिवस रामापुर जिला कार्यालय में मनाया गया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) गौरीगंज, अमेठी। मौलिक अधिकार पार्टी की जिला इकाई

अमेठी का 19 वा स्थापना दिवस स्थान रामापुर , अमेठी आवासीय कार्यालय प्रदेश प्रवक्ता प्रेम शंकर शर्मा उत्तर प्रदेश ,के आवास पर जिलाध्यक्ष राम विलास वर्मा की अध्यक्षता में मनाया गया। जिसमें मुख्य अतिथि प्रेम शंकर शर्मा प्रदेश प्रवक्ता मौलिक अधिकार पार्टी रहे। संचालन एडवोकेट रोहित शर्मा ने किया।इस अवसर पर मौलिक अधिकार पार्टी के संगठन को बूथ स्तर तक विस्तार करने की बातों पर जोर दिया गया जिसके तहत् एडवोकेट मनीष कश्यप को जिला महासचिव के पद पर और एडवोकेट उमेश कुमार शर्मा को कार्यकर्ता बनाया गया।प्रदेश प्रवक्ता प्रेम शंकर शर्मा ने जिला अध्यक्ष राम विलास वर्मा को निर्देशित किया कि जिला अमेठी की चारों तहसीलों और 13 ब्लाकों में बूथ स्तर तक युद्ध स्तर पर पदाधिकारी और कार्यकर्ता बनाएं । इस पर सभी उपस्थित कार्यकर्ताओं ने सहयोग करने की बात कही।अंत में जिलाध्यक्ष राम विलास वर्मा ने आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम का समापन किया। प्रमुख रूप से भगवानदीन पासी, रामराज सरोज, मानतेश शर्मा, हौंशिला प्रसाद शर्मा, एडवोकेट उमेश कुमार शर्मा, एडवोकेट मनीष कश्यप,राम मिलन मौर्या, एडवोकेट सुभाष शर्मा, विष्णू विश्वकर्मा, जसवंत पासी, काजू शर्मा आदि उपस्थित रहे।

भाई से मिलने जा रहें अतीक अहमद के 21 साल के बेटे की मौत,कार डिवाइडर से टकराई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। झांसी में माफिया अतीक अहमद के बेटे की मौत।

अतीक अहमद के सबसे छोटे बेटे अबान की तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकराई। इस हादसे में अबान और उसके दोस्त सोनू की मौत हुई। प्रयागराज से झांसी जेल में अपने भाई से मिलने जा रहे थे अबान।गुरुवार सुबह 5 बजे प्रयागराज से झांसी जेल में बंद बड़े भाई अली से मिलने जा रहा था। क्रेटा कार में अबान के साथ उसके 4 दोस्त थे। झांसी से 70 किमी पहले सुबह 10.30 बजे पूंछ थाना इलाके में तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकरा गई। एअरबैग खुले, लेकिन टक्कर इतनी भीषण थी कि कार 7 फीट हवा में उछल गई। 40 फीट तक कार के टुकड़े हाईवे पर बिखर गए। कार का बायां हिस्सा चकनाचूर हो गया। अबान समेत सभी 5 लोग अंदर फंस गए। चीख-पुकार मच गई। पुलिस और राहगीरों ने जैसे-तैसे दरवाजा तोड़कर सभी को बाहर निकाला। आगे की सीट पर बैठे अबान और उसके पीछे बैठे दोस्त सोनू की मौके पर मौत हो गई। जबकि बाकी 3 घायल उमर अहमद, मोहम्मद जैद और फारुक अहजम को मेडिकल कॉलेज भिजवाया गया। प्रत्यक्षदर्शी के मुताबिक, मरने से पहले अबान के आखिरी शब्द थे- मुझे बचा लो। हादसे की दो वजह सामने आ रही हैं। प्रत्यक्षदर्शी दीपक ने बताया- हाईवे पर एक बछड़ा अचानक आ गया। उसे बचाने के लिए ड्राइवर ने कार को लेफ्ट साइड मोड़ दिया। उसी दौरान बाइक सवार आ गया तो ड्राइवर ने कार दोबारा लेफ्ट की तरफ मोड़ दी। कार डिवाइडर से टकरा गई। वहीं, घायल उमर अहमद ने बताया- हाईवे पर ईंट पड़ी थी। इसके चलते कार बेकाबू हुई।

राहुल गांधी ने रोजगार, पेपर लीक और छात्रों से जुड़े मुद्दों को लेकरआठ अगस्त को 'छात्र संवाद' करेंगे

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने रोजगार,

पेपर लीक और छात्रों से जुड़े मुद्दों को लेकर आठ अगस्त को प्रयागराज केपी इंटर कालेज मैदान में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में 'छात्र संवाद' करेंगे। बुधवार को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय इलाहाबाद विश्वविद्यालय परिसर के छात्र संघ भवन पर पहुंचें। यहाँ उन्होंने बड़ी संख्या में जुटे छात्रों के साथ 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन किया। पोस्टर में 'जॉब नहीं मिलेगा, तो सिंहासन हिलेगा', 'प्रयागराज चलो , इतिहास रचते हैं, शिक्षा क्रांति', 'अब छात्रों की गूंज', 'सत्ता की जड़ें हिला देंगी' जैसे स्लोगन लिखा था। इस दौरान छात्रों को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रयागराज वह शहर है जहां लाखों युवा वर्षो से भर्ती परीक्षाओ की तैयारी कर रहे हैं, लेकिन उन्हें बार-बार भर्ती प्रक्रियाओं में देरी और पेपर लीक जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि पेपर लीक ने युवाओं का वर्त्तमान छीन लिया।

दीपिका शर्मा के साथ बलात्कार व हत्या के विरोध में राष्ट्रीय नाई महासभा ने दिया ज्ञापन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) गौरीगंज/अमेठी। गोरखपुर की मासूम बालिका दस वर्षीय दीपिका शर्मा के साथ बलात्कार व हत्या के विरोध में राष्ट्रीय नाई महासभा शाखा जनपद अमेठी ने मुख्यमंत्री को संबोधित जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मांग की गई है कि दोषी व्यक्ति को फांसी की सजा दिलाई जाय और पीड़ित परिवार को सरकार समुचित मुआवजा दे। इस अवसर पर महासभा के जिलाध्यक्ष रामबरन शर्मा महामंत्री सजनलाल शर्मा कोषाध्यक्ष राजकुमार शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष घनश्याम शर्मा, पवन कुमार शर्मा गौरीगंज अध्यक्ष, मथुरा प्रसाद शर्मा लक्ष्मी कांत शर्मा, विपिन, योगेश, अंकित, विकास, दिनेश, दिलीप, नंदलाल, संतोष कुमार, शैलेन्द्र, नंदकुमार, विपिन, पवनकुमार सेनीपुर, उमेश, शिवप्रसाद, अरविन्द, धर्मेन्द्र, सुशील, प्रदीप, तेजभान, आदि रहे।

एडीएम की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय खाद्य सुरक्षा सलाहकार समिति की बैठक सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। बुधवार को जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका के निर्देशानुसार अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ की अध्यक्षता में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की ''जनपद स्तरीय खाद्य सुरक्षा सलाहकार समिति'' की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में सहायक आयुक्त (खाद्य) मानिक चन्द्र सिंह द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 एवं वित्तीय वर्ष 2026-27 में किये गये कार्यों की जानकारी समिति के समक्ष प्रस्तुत की गयी। विभाग द्वारा विगत वर्ष 2058 निरीक्षण, 395 छापेमारी कर कुल 517 नमूनें संग्रहीत किये गये जिनमें से 419 नमूनों की जॉच रिपोर्ट प्राप्त हुई जिनमें से 210 अधोमानक 42 असुरक्षित एवं 04 नियमों के उल्लघंन के मामले पाये गये। विगत वर्ष कुल 174 वाद मा0 न्याय निर्णयन अधिकारी/अपर जिलाधिकारी प्रशासन के न्यायालय में एवं 19 वाद न्यायिक न्यायालय में दायर किये गये। इस दौरान मा0 न्याय निर्णयन अधिकारी/अपर जिलाधिकारी प्रशासन न्यायालय में कुल 35 वाद निर्णित हुये जिसमें कुल रु0 1433000/- का अर्थदण्ड अधिरोपित किया गया एवं मा0 न्यायिक न्यायालय में 01 वाद निर्णित हुआ जिसमें रु0 100000/-का अर्थदण्ड अधिरोपित किया गया एवं टीआरसी की सजा सुनाई गयी। वित्तीय वर्ष 2025-26 मे 50 प्रतिष्ठानों को भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण के अन्तर्गत हाइजीन रेटिंग का प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ, वित्तीय वर्ष 2025-26 में जिला कारागार, पुलिस लाइन, फिरोज गांधी इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी, एनआईएफटी, एनटीपीसी को भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण के अन्तर्गत ईट राइट कैम्पस के रुप में प्रमाणित कराया गया। वित्तीय वर्ष 2025-26 में 08 प्रशिक्षण सत्र आयोजित कराये गये जिसमें 800 खाद्य कारोबारकर्ताओं को खाद्य सुपरवाइजर की ट्रेनिंग देकर भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण के द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान कराया गया। वित्तीय वर्ष 2025-26 मे नवीन मण्डी स्थल लालगंज को क्लीन एण्ड फ्रेश फ्रूट एण्ड वेजिटेबल मार्केट के रुप में प्रमाणित कराया गया। इसी दौरान जनपद के अभयदाता मंदिर दूरभाष नगर, रायबरेली एवं आदि शक्ति मॉ संकठा, गेगासों तहसील-लालगंज रायबरेली को Places of Worship के रुप में प्रमाणित कराया गया। वित्तीय वर्ष 2025-26 मे जागरुकता कार्यक्रम के अन्तर्गत 38 स्थानों पर कैम्प आयोजित कर 1435 आम जनमानस एवं विद्यार्थियों को खाद्य सुरक्षा के प्रति जागरुक किया गया। वित्तीय वर्ष 2026-27 में कुल 438 निरीक्षण किये गये, 58 छापे डालकर कुल 91 नमूनें संग्रहीत किये गये। जिनमें से 40 जॉच रिपोर्ट प्राप्त हुई है जिसमें कुल 17 नमूनें अवमानक एवं 05 नमूनें असुरक्षित पाये गये। उक्त मानक के अनुरुप न पाये गये नमूनों से सम्बन्धित खाद्य कारोबारकर्ताओं के विरुद्ध वाद दायर प्रक्रियाधीन है। बैठक में अपर जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि आबकारी विभाग, उद्यान विभाग, बाल विकास पुष्टाहार विभाग, खाद्य एवं रसद विभाग से सम्बन्धित सभी प्रतिष्ठानों को विभागीय समन्वय स्थापित करते हुये भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण के अन्तर्गत लाइसेंस/पंजीकरण से आच्छादित किया जाना सुनिश्चित किया जायें। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया गया कि जनपद के सभी विद्यालयों में संचालित किये जाने वाले मध्यान्ह भोजन योजना (एमडीएम) को खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण के अन्तर्गत पंजीकरण से आच्छादित किया जायें। अपर जिलाधिकारी द्वारा उपायुक्त स्वतः रोजगार को निर्देशित किया गया कि स्वयं सहायता समूह के ऐसे प्रतिष्ठान जो खाद्य कारोबार संचालित करते है, को भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण के अन्तर्गत लाइसेंस/पंजीकरण से आच्छादित किया जाये। बैठक में अपर जिलाधिकारी द्वारा यह निर्देशित किया गया कि जनपद के समस्त कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों एवं प्रोबेशन विभाग द्वारा संचालित सम्प्रेक्षण गृहों का नियमित निरीक्षण कर खाद्य सुरक्षा के प्रति जागरुक किया जायें। समस्त सरकारी कार्यालयों में संचालित कैन्टीनों का भी नियमित निरीक्षण किया जायें। आगामी त्योहारों के दृष्टिगत निर्देशित किया गया कि जनपद के समस्त खाद्य प्रतिष्ठानों पर खाद्य लाइसेंस एवं रेट लिस्ट सहज दृश्य स्थल पर प्रदर्शित किया जायें तथा कांवड़ मार्ग के सभी मांस प्रतिष्ठानों का संचालन बंद कराया जाये। बैठक में जिला विकास अधिकारी वर्षा सिंह, जिला आबकारी अधिकारी दिनेश कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक संजीव कुमार सिंह, जिला उद्यान अधिकारी जयराम वर्मा, उपायुक्त राज्य कर परमहंश श्रीवास्तव, उपायुक्त उद्योग परमहंस मौर्या, नगर पालिका परिषद के प्रतिनिधि, उद्योग व्यापार मण्डल के प्रतिनिधि, मेडिकल एसोशियेशन के अध्यक्ष एवं खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के अधिकारी सम्मिलित रहें।

आईटीआई प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 7 अगस्त तक बढ़ी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। प्रधानाचार्य राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, रायबरेली विवेक कुमार तिवारी ने सर्वसाधारण को सूचित किया है कि कार्यालय अधिशासी निदेशक, राज्य व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद, अलीगंज, लखनऊ के निर्देशानुसार जनपद रायबरेली के 5 राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों, 2 पी.पी.पी. संस्थानों तथा 13 निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में प्रवेश के लिए अभ्यर्थियों के हित को ध्यान में रखते हुए वेबसाइट https://scvtup.in पर ऑनलाइन आवेदन/पंजीकरण की अंतिम तिथि, जो पूर्व में 04 अगस्त 2026 निर्धारित थी, उसे बढ़ाकर 07 अगस्त 2026 की रात्रि 12:00 बजे तक कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त, अभ्यर्थियों द्वारा ऑनलाइन आवेदन में की गई त्रुटियों के संशोधन हेतु 48 घंटे (2 दिन) का अवसर भी प्रदान किया जाएगा। उन्होंने बताया है कि प्रवेश प्रक्रिया से संबंधित अधिक जानकारी के लिए अभ्यर्थी किसी भी कार्य दिवस में नोडल प्रधानाचार्य, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, गोरा बाजार, रायबरेली से संपर्क कर सकते हैं।

जनेश्वर मिश्र की जयंती पर सपा नेताओं ने किया नमन, मंदिर व कब्रिस्तान में किया वृक्षारोपण,समाजवादी मूल्यों के सशक्त प्रतीक थे जनेश्वर मिश्र : डॉ. शशिकांत शर्मा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। समाजवादी पार्टी के प्रख्यात समाजवादी चिंतक एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री 'छोटे लोहिया' स्व. जनेश्वर मिश्र की जयंती बुधवार को सुपर मार्केट स्थित समाजवादी पार्टी कार्यालय में जिलाध्यक्ष इंजीनियर वीरेंद्र यादव की अध्यक्षता में मनाई गई, जँहा पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व को याद किया। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव डॉ. शशिकांत शर्मा ने कहा कि जनेश्वर मिश्र का पूरा जीवन समानता, सामाजिक न्याय, ईमानदारी और धर्मनिरपेक्षता के मूल्यों को समर्पित रहा। उन्होंने समाज में व्याप्त जातिवाद, अन्याय, पाखंड और सामाजिक कुरीतियों का डटकर विरोध किया। केंद्रीय मंत्री के रूप में उन्होंने किसानों, मजदूरों, छात्रों, महिलाओं तथा वंचित वर्ग के हितों के लिए अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं को आगे बढ़ाया। डॉ. शर्मा ने कहा कि छात्र राजनीति से राष्ट्रीय राजनीति तक का उनका सफर संघर्ष, सादगी और समाजवादी विचारधारा के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का उदाहरण है। उन्होंने डॉ. राममनोहर लोहिया के विचारों को आगे बढ़ाते हुए नेताजी मुलायम सिंह यादव के साथ लोकतंत्र और समाजवादी मूल्यों की रक्षा के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम के उपरांत डॉ. शशिकांत शर्मा ने श्रावण मास के पावन अवसर पर गंगा-जमुनी तहजीब और सामाजिक सद्भाव का संदेश देते हुए ग्राम रामचंद्र किशुनपुर स्थित भगवान भोलेनाथ मंदिर परिसर तथा शहर के सैयद राजन कब्रिस्तान में वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष इंजीनियर वीरेंद्र यादव, जिला उपाध्यक्ष हसीन अहमद, राजेश मौर्य, जिला सचिव शिवनारायण सोनकर, श्रवण आजाद, अरुण प्रताप यादव, पप्पू, लोहिया वाहिनी के जिलाध्यक्ष फहीम अहमद, सलोन के पूर्व प्रत्याशी सुरेश निर्मल, बलराज राणा, बब्बू भाई सहित बड़ी संख्या में समाजवादी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

डीएम ने जल संरक्षण एवं प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन कार्यों का किया स्थलीय निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका ने जनपद में जल संरक्षण एवं भू-जल संवर्धन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विकास खंड सरेनी के विभिन्न ग्राम पंचायतों में संचालित वाटरशेड विकास घटक प्रधान मंत्री कृषि सिंचाई योजना 2.0 के अंतर्गत कराये गये विभिन्न कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वाटरशेड कोड रमईपुर कला के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत हसनापुर तथा वाटरशेड कोड खौंद में जल संरक्षण से संबंधित परियोजनाओं का जायजा लेते हुए अधिकारियों को कार्यों की गुणवत्ता एवं प्रभावी रखरखाव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने ग्राम पंचायत हसनापुर के अंतर्गत जीर्णोद्धार कराए गए तालाब का निरीक्षण किया। उन्होंने तालाब के पुनर्जीवन से जल संचयन, भू-जल स्तर में वृद्धि तथा ग्रामीणों एवं पशुओं को होने वाले लाभों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि तालाब का नियमित रखरखाव सुनिश्चित किया जाए ताकि वर्षा जल का अधिकतम संचयन हो सके और इसका लाभ लंबे समय तक ग्रामीणों को मिलता रहे, इसके उपरांत जिलाधिकारी ने स्वयं सहायता समूह की उन महिलाओं से संवाद किया जिन्हें उक्त योजना के अंतर्गत लाभान्वित किया गया है। उन्होंने महिलाओं से योजना के माध्यम से प्राप्त लाभ, आजीविका संवर्धन, आर्थिक सशक्तिकरण एवं समूह गतिविधियों के संबंध में जानकारी ली। जिलाधिकारी ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने की दिशा में निरंतर कार्य करने, सरकारी योजनाओं का अधिकाधिक लाभ उठाने तथा अन्य महिलाओं को भी समूह से जोड़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूह ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के साथ-साथ महिलाओं के सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण का प्रभावी माध्यम बन रहे हैं। इसके साथ-साथ समूह की महिलाओं की समस्याओं को भी सुना गया तथा उसके त्वरित निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियो को निर्देशित किया गया। तत्पश्चात जिलाधिकारी ने पहुरी कोड नाले पर निर्मित चेक डैम का निरीक्षण किया। उन्होंने चेक डैम की संरचना, जल संचयन क्षमता एवं उसके माध्यम से क्षेत्र में सिंचाई एवं भू-जल पुनर्भरण पर पड़ने वाले प्रभाव का अवलोकन किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऐसे जल संरक्षण ढांचों का नियमित निरीक्षण एवं समय-समय पर अनुरक्षण सुनिश्चित किया जाए, जिससे वर्षा जल का अधिकतम उपयोग हो सके। इसके बाद जिलाधिकारी ग्राम पंचायत खौंद पहुंचीं, जहां उन्होंने किसानों के खेतों में बनाए गए मार्जिनल एवं पेरिफेरल बंधों का निरीक्षण किया। उन्होंने इन संरचनाओं की उपयोगिता का अवलोकन करते हुए कहा कि खेतों में इस प्रकार के बांध वर्षा जल को रोकने, मिट्टी के कटाव को कम करने, नमी बनाए रखने तथा कृषि उत्पादन बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

तालाब, चेक डैम एवं खेतों में निर्मित बांधों का अवलोकन कर गुणवत्ता एवं दीर्घकालिक संरक्षण के दिए निर्देश

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऐसे कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराए जाएं तथा अधिकाधिक किसानों को इन योजनाओं से लाभान्वित किया जाए।

जिलाधिकारी ने कहा कि जल संरक्षण केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं बल्कि जनभागीदारी का अभियान है।

वर्षा जल का संरक्षण, भू-जल संवर्धन तथा प्राकृतिक संसाधनों का संतुलित उपयोग भविष्य की पीढ़ियों के लिए अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि जल संरक्षण से संबंधित सभी परियोजनाओं का समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में जल उपलब्धता बढ़े, कृषि को मजबूती मिले तथा पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य भी सफलतापूर्वक पूरे हो सकें।इस अवसर पर उप जिलाधिकारी लालगंज राजेश श्रीवास्तव, उप निदेशक कृषि हिमांशु पाण्डेय, खण्ड विकास अधिकारी सरेनी प्रमोद यादव, भूमि संरक्षण अधिकारी जे0पी0 यादव सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहें।

न्याय निर्णायक अधिकारी/अपर जिला मजिस्ट्रेट (प्रशासन) रायबरेली द्वारा खाद्य सुरक्षा मामलों में रु3.35 लाख का अर्थदण्ड अधिरोपित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। न्याय निर्णायक अधिकारी/अपर जिला मजिस्ट्रेट (प्रशासन), रायबरेली सिद्धार्थ द्वारा माह जुलाई, 2026 के कुल 12 मामलों में रु3,35,000 (तीन लाख पैंतीस हजार रुपये) का अर्थदण्ड अधिरोपित किया गया है। जारी आदेशों के अनुसार, फर्म काशी पूड़ी कचौड़ी भण्डार निशान्त जायसवाल एवं काशी पूड़ी कचौड़ी भण्डार जितेन्द्र जायसवाल पर पंजीकरण की शर्तों का पालन न करने तथा कोविड-19 के दौरान जारी दिशा-निर्देशों के उल्लंघन के आरोप में रु75,000-रु75,000 का अर्थदण्ड लगाया गया। इसके अतिरिक्त, सोनू गुप्ता, दीपक कुमार, गोपीकृष्ण, अनिल गुप्ता, श्यामलाल, शिवकरण गुप्ता तथा सुजीत कुमार पर बिना पंजीकरण खाद्य कारोबार संचालित करने के कारण रु10,000 से रु25,000 तक का अर्थदण्ड अधिरोपित किया गया। वहीं, मे0 गुप्ता कोल्ड ड्रिंक एण्ड टी स्टॉल के पनीर का नमूना, रोहित के खोया का नमूना तथा राजेश कुमार के बेसन का नमूना जांच में अवमानक पाए जाने पर प्रत्येक के विरुद्ध रु25,000 का अर्थदण्ड लगाया गया।

डीएम की अध्यक्षता में जिला स्वच्छता समिति एवं जिला स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) मैनेजमेंट कमेटी की बैठक सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्वच्छता समिति एवं जिला स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) मैनेजमेंट कमेटी हेतु गठित जिला स्तरीय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं एवं गतिविधियों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने ग्राम पंचायतों में स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन कार्यों में तेजी लाने, ग्राम पंचायतों में निर्मित कराए गए आर0आर0सी0 के संचालन व शतप्रतिशत उपयोग सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए, इसके साथ ही सामुदायिक एवं व्यक्तिगत शौचालयों के नियमित उपयोग एवं रखरखाव, स्वच्छता परिसरों के प्रभावी संचालन तथा जनजागरूकता गतिविधियों को व्यापक स्तर पर संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनभागीदारी से जुड़ा एक जनआंदोलन है। सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय स्थापित करते हुए निर्धारित समयावधि में लक्ष्यों की पूर्ति सुनिश्चित करें। बैठक में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के विभिन्न घटकों की प्रगति की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए तथा लंबित कराए गए आर0आर0सी0 के संचालन व शतप्रतिशत उपयोग सुनिश्चित कराने के प्रति जनसहभागिता बढ़ाने एवं व्यवहार परिवर्तन संबंधी गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश भी दिए गए।

इसके साथ ही निर्माणाधीन कार्यों को गुणवत्तापूर्ण मानक के अनुरूप समयबद्ध पूर्ण कराने, अनारम्भ कार्यों को शीघ्र प्रारम्भ कराने के निर्देश दिए गए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अंजुलता, ब्लाक प्रमुख जगतपुर दल बहादुर सिंह, उपायुक्त श्रम रोजगार प्रमोद सिंह,पीडी डीआरडीए मुनेश चंद्र, जिला विकास अधिकारी वर्षा सिंह,जिला पंचायत राज अधिकारी विनय सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी तथा स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) से जुड़े अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

माह अगस्त 2026 का निःशुल्क राशन वितरण 5 से 18 अगस्त तक, पात्र लाभार्थियों को मिलेगा गेहूं व चावल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका के निर्देशानुसार राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 के तहत जनपद रायबरेली में माह अगस्त 2026 का निःशुल्क खाद्यान्न वितरण 5 अगस्त से 18 अगस्त 2026 तक किया जाएगा। आयुक्त, खाद्य एवं रसद विभाग, उत्तर प्रदेश के निर्देशों के अनुपालन में अन्त्योदय एवं पात्र गृहस्थी राशन कार्डधारकों को ई-वेइंग लिंक्ड ई-पॉस मशीनों के माध्यम से निःशुल्क गेहूं एवं फोर्टिफाइड चावल वितरित किया जाएगा। अन्त्योदय कार्डधारकों को प्रति कार्ड 14 कि0ग्रा0 गेहूं एवं 21 कि0ग्रा0 फोर्टिफाइड चावल (कुल 35 किलोग्राम) तथा पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को प्रति यूनिट 2 कि0ग्रा0 गेहूं एवं 3 कि0ग्रा0 फोर्टिफाइड चावल (कुल 5 किलोग्राम) निःशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा।

जिला प्रशासन ने वितरण व्यवस्था को पूरी तरह पारदर्शी एवं सुचारु बनाए रखने के लिए उचित दर दुकानों पर खाद्यान्न की उपलब्धता, भौतिक सत्यापन, ई-पॉस मशीनों की कार्यशीलता तथा नोडल एवं पर्यवेक्षणीय अधिकारियों की तैनाती सुनिश्चित की है।

वितरण के दौरान प्रत्येक दुकान पर नामित अधिकारी उपस्थित रहेंगे तथा नियमित निरीक्षण किया जाएगा। कालाबाजारी, घटतौली अथवा किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने सभी उपजिलाधिकारियों, जिला पूर्ति अधिकारी, क्षेत्रीय खाद्य अधिकारियों एवं पूर्ति निरीक्षकों को निर्देशित किया है कि वितरण अवधि के दौरान कोई भी पात्र लाभार्थी खाद्यान्न प्राप्त करने से वंचित न रहे तथा निर्धारित मानकों के अनुरूप पारदर्शी, सुचारु एवं समयबद्ध वितरण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही आमजन से अपील की गई है कि वे निर्धारित तिथियों के भीतर अपनी उचित दर दुकान से निःशुल्क राशन प्राप्त करें।

उद्योग विभाग की पहलः ईंट भट्ठों एवं एमएसएमई इकाइयों को बाजार से कम दर पर मिलेगा कोयला यूपीएसआईसी पोर्टल पर करें पंजीकरण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। बुधवार को उपायुक्त उद्योग परमहंस मौर्य ने बताया कि उ0प्र0 लघु उद्योग निगम लिमिटेड, कानपुर द्वारा अवगत कराया गया है कि कोल इंडिया लिमिटेड द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए भारत सरकार से उत्तर प्रदेश को आवंटित 100 प्रतिशत कोयले की आपूर्ति हेतु उ0प्र0 लघु उद्योग निगम लि0, कानपुर को राज्य की एकमात्र नोडल एजेंसी (एसएनए) नामित किया गया है। इस व्यवस्था के अंतर्गत कोल इंडिया लि0 से कुल 11.39 लाख मीट्रिक टन कोयले का उठान उ0प्र0 लघु उद्योग निगम लि0, कानपुर द्वारा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जनपद के ईंट भट्ठा उद्योगों एवं सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) के अंतर्गत आने वाली लघु औद्योगिक इकाइयाँ कोयला प्राप्त करने के लिए उ0प्र0 लघु उद्योग निगम लि0 के कोल पोर्टल (Coal.upsic.in) पर पंजीकरण कर अपनी आवश्यकता के अनुसार मांग दर्ज कर सकती हैं। उपायुक्त उद्योग ने बताया कि प्रत्येक ईंट भट्ठे को अधिकतम 900 मीट्रिक टन तथा एमएसएमई की पात्र लघु इकाइयों को अधिकतम 9,600 मीट्रिक टन कोयले का आवंटन किया जा सकता है। यह कोयला बाजार मूल्य की तुलना में कम दर पर उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे उद्योगों को आर्थिक लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि मा0 मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश के निर्देशन में वर्तमान ईंधन आपूर्ति की स्थिति को ध्यान में रखते हुए ईंट भट्ठा उद्योगों एवं एमएसएमई इकाइयों को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से यह महत्वपूर्ण एवं सराहनीय पहल की गई है। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए यूपीएसआईसी के प्रबंधक (कोल) के मोबाइल नंबर 9506393939 अथवा कार्यालय उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र, रायबरेली से किसी भी कार्य दिवस में संपर्क किया जा सकता है।

अपर जिला मजिस्ट्रेट (प्रशासन) के आदेश पर 02 व्यक्ति जिला बदर, 21 व्यक्तियों को थाना हाजिरी के निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जनपद में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से अपर जिला मजिस्ट्रेट (प्रशासन) रायबरेली सिद्धार्थ द्वारा पारित आदेशों के क्रम में विभिन्न थाना क्षेत्रों के कुल 23 व्यक्तियों के विरुद्ध निरोधात्मक कार्रवाई की गई है। पारित आदेशों के अनुसार थाना भदोखर निवासी अतुल यादव उर्फ दारा तथा थाना बछरावां निवासी राहुल उर्फ आदर्श सिंह को उत्तर प्रदेश गुण्डा नियंत्रण अधिनियम के अंतर्गत छह माह की अवधि के लिए जनपद रायबरेली की सीमा से जिला बदर किया गया है।

इसके अतिरिक्त जनपद के थाना बछरावां, खीरों, गदागंज, हरचंदपुर, जगतपुर, डीह, सलोन, महराजगंज, नसीराबाद, भदोखर, लालगंज, ऊंचाहार, गुरुबक्सगंज एवं मिल एरिया थाना क्षेत्रों के 20 अन्य व्यक्तियों को छह माह की अवधि तक संबंधित थाना में अनिवार्य रूप से हाजिरी दर्ज कराने के निर्देश दिए गए हैं।

आदेशानुसार संबंधित व्यक्तियों को प्रत्येक माह की निर्धारित तिथियों (मुख्यतः 12 एवं 25 तारीख) अथवा आदेश में निर्धारित प्रत्येक शनिवार को संबंधित थाना में उपस्थित होकर अपनी हाजिरी दर्ज करानी होगी।

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम द्वारा जनपद में स्थित आटा निर्माण इकाईयों का निरीक्षण करते हुए नमूना संग्रहित कर जॉच हेतु लैब को भेजा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, लखनऊ के पत्रांक-एफ0एस0डी0ए0 / अभि0/2026/3945 दिनांक 03.08.2026 जिसमें समाचार पत्रों में प्रकाशित खबरों एवं पूर्व में जनपदों द्वारा की गयी कार्यवाहियों में प्राप्त जानकारी के अनुसार खाद्य पदार्थ आटा में शैलखड़ी (रोप स्टोन) व चावल आदि की मिलावट की जा रही है। उपरोक्त के दृष्टिगत खाद्य पदार्थ आटा की निर्माण इकाईयों पर कार्यवाही किये जाने हेतु खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम द्वारा दिनांक 05.08.2026 को मे0 अनन्या फूड किंग इण्डस्ट्रीज प्रा0लि0 व मे0 शरद इण्डस्ट्रीज पता-लसड़ा, पोस्ट-अवछोर, थाना-राबर्ट्सगंज, सोनभद्र का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान साफ-सफाई रखने व पैकेट पर खाद्य पदार्थों को रखने के लिए निर्देश दिए गये। मे0 शरद इण्डस्ट्रीज में पायी गयी कमियों को सुधार करने हेतु सुधार सूचना जारी किया गया। उपरोक्त दोनों प्रतिष्ठान से खाद्य पदार्थ आटा का नमूना नियमानुसार 05 कि0ग्रा0 की पैकेट को खोलकर संग्रहित कर जॉच हेतु खाद्य विश्लेषक को प्रेषित किया गया तथा शेष बचे 03-03 कि0ग्रा0 के पैकेटों को सीज कर दोनों प्रतिष्ठान/निर्माण इकाई के स्वामी की अभिरक्षा में दे दिया गया। इसके अतिरिक्त मे0 मॉ वैष्णों इण्डस्ट्रीज, ग्राम-सिरसाई घोरावल, सोनभद्र का निरीक्षण खाद्य पदार्थ-गेंहू का आटा का नमूना संग्रहित कर जॉच हेतु सम्बन्धित लैब को प्रेषित किया गया। खाद्य विश्लेषक की जॉच रिपोर्ट प्राप्त होने पर नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही की जायेगी।

जिला गंगा समिति, सोनभद्र के तत्वावधान में नदी, जल एवं पर्यावरण संरक्षण विषयक कार्यशाला एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिला गंगा समिति, सोनभद्र के तत्वावधान में राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज, राबर्ट्सगंज में 'नदी, जल एवं पर्यावरण संरक्षण' विषय पर कार्यशाला, संवाद एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं एवं विद्यार्थियों में जल, नदी एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता विकसित करना तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण हेतु जनसहभागिता को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम का आयोजन राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज के प्रधानाचार्य श्री प्रमोद कुमार के मार्गदर्शन एवं सहयोग से संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज के व्याख्याता श्री श्याम नारायण कुशवाहा द्वारा प्रभावी एवं सुव्यवस्थित ढंग से किया गया। महाविद्यालय के शिक्षकगण एवं कर्मचारीगण की सक्रिय सहभागिता से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। अपने संबोधन में प्रधानाचार्य श्री प्रमोद कुमार ने विद्यार्थियों को जल, नदी एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहकर प्रकृति संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने तथा अधिकाधिक वृक्षारोपण करने का आह्वान किया। कार्यशाला में विभिन्न विभागों के अधिकारियों, विशेषज्ञों एवं पर्यावरणविदों ने नदी संरक्षण, जल संसाधन प्रबंधन, जैव विविधता, वृक्षारोपण, स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए तथा विद्यार्थियों के साथ संवाद स्थापित किया। इस अवसर पर सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता श्री अमित गौरव, जिला गंगा समिति के जिला परियोजना अधिकारी श्री महेंद्र कुमार गौतम, श्रीमती कविता यादव (सोशल एक्टिविस्ट), कैमूर वन्यजीव प्रभाग के फॉरेस्टर श्री यादवेंद्र मिश्रा एवं वाइल्डलाइफ गार्ड श्री अभिनीत सिंह, सोनभद्र वन प्रभाग, राबर्ट्सगंज रेंज के वन दरोगा श्री चंदन सिंह एवं फॉरेस्टर श्री बबुआ यादव, जिला पर्यावरण समिति के श्री प्रमोद (एनवायरनमेंटलिस्ट), नगर पालिका परिषद के श्री संत कुमार एवं श्री पवन कुमार (अर्बन कोऑर्डिनेटर), माई भारत (MY Bharat) के प्रतिनिधि श्री अनमोल सोनी एवं श्री राहुल, जिला गंगा समिति के गंगा वॉलंटियर श्री अभिषेक यादव सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। सभी वक्ताओं ने जल एवं पर्यावरण संरक्षण में जनभागीदारी की आवश्यकता पर बल देते हुए युवाओं से पर्यावरण संरक्षण को जन-आंदोलन बनाने का आह्वान किया।

सोनभद्र करोड़ों की लागत से बने ओबरा तहसील परिसर में जल निकासी व्यवस्था फेल पहली ही बारिश में डूबा परिसर, अधिवक्ता आक्रोशित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जनपद सोनभद्र के ओबरा में करोड़ों रुपये

की भारी-भरकम लागत से तैयार किए गए नवनिर्मित तहसील परिसर की पहली ही बारिश में प्रशासनिक दावों और व्यवस्थाओं की पोल खोलकर रख दी।

परिसर से बारिश का पानी निकलने का समुचित इंतजाम न होने के कारण पूरी तहसील जलमग्न होकर तालाब में तब्दील हो गई। चारों ओर लबालब भरे पानी के बीच वादकारियों, अधिवक्ताओं और

विभागीय कर्मचारियों को घुटने भर पानी से होकर आवागमन करना पड़ा,

जिससे दिनभर न्यायिक कार्य बुरी तरह प्रभावित रहा। नवनिर्मित तहसील परिसर में हुए इस भीषण जलभराव ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता और ड्रेनेज सिस्टम की प्लानिंग पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

स्थानीय लोगों व अधिवक्ताओं का कहना है कि यदि पहली ही सामान्य बारिश में परिसर का यह हाल है, तो पूरे मानसून सत्र में हालात और भी नारकीय व गंभीर हो सकते हैं।

करोड़ों रुपये खर्च होने के बाद भी जल निकासी जैसी मूलभूत आवश्यकता की अनदेखी करना कार्यदायी

संस्था की घोर लापरवाही को उजागर करता है। अधिवक्ता संघर्ष समिति के संयोजक उमेश चंद्र शुक्ला ने तहसील एवं जिला प्रशासन से मामले का तत्काल संज्ञान लेने की पुरजोर मांग की है।

उन्होंने कहा कि नवनिर्मित परिसर में स्थायी और प्रभावी जल निकासी की व्यवस्था अविलंब कराई जाए ताकि दूर-दराज से आने वाले फरियादियों और वकीलों को सहूलियत हो सके।

उन्होंने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा यदि प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा

शीघ्र ही इस समस्या का ठोस व स्थायी समाधान नहीं निकाला गया, तो ओबरा के अधिवक्ता उग्र आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

अब सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि क्या निर्माण कार्य के दौरान जल निकासी जैसी बुनियादी जरूरत को जानबूझकर नजरअंदाज किया गया,

या फिर जिम्मेदार एजेंसियों ने गुणवत्ता मानकों से समझौता किया। पहली ही बारिश में सामने आई यह भयावह तस्वीर संबंधित विभागों की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा रही है। फिलहाल क्षेत्रवासियों और वकीलों की निगाहें जिला प्रशासन द्वारा की जाने वाली दंडात्मक व सुधारात्मक कार्रवाई पर टिकी हैं।

सोनभद्र में पंचायत उत्सव भवन निर्माण को मिली प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति

141 लाख रुपये की लागत से ग्राम पंचायत अरंगी में बनेगा पंचायत उत्सव भवन, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निर्माण के दिए गए निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जनपद की ग्राम पंचायतों में आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने विकास खंड रॉबर्ट्सगंज की ग्राम पंचायत अरंगी में पंचायत उत्सव भवन के निर्माण कार्य हेतु 141.00 लाख रुपये की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान कर दी है। यह निर्माण कार्य शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप कराया जाएगा। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए हैं कि निर्माण कार्य पूरी तरह पारदर्शी, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध ढंग से संपन्न हो। कार्यस्थल पर सूचना बोर्ड लगाया जाएगा तथा निर्माण कार्य की प्रारंभ, मध्य एवं अंतिम चरण की जियो-टैगिंग कराई जाएगी। उन्होंने निर्देशित किया कि कार्य की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति का नियमित अभिलेखीकरण किया जाए तथा स्वीकृत डीपीआर एवं तकनीकी मानकों के अनुरूप ही निर्माण कराया जाए। किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर संबंधित संस्था एवं अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि शासन की मंशा के अनुरूप पंचायत उत्सव भवन का निर्माण निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराया जाए, ताकि ग्राम पंचायत स्तर पर सामाजिक, सांस्कृतिक एवं प्रशासनिक गतिविधियों के लिए आधुनिक एवं सुव्यवस्थित भवन उपलब्ध हो सके।

प्रांतीय चिकित्सा सेवा संघ सोनभद्र निर्वाचन निर्विरोध संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। प्रांतीय चिकित्सा सेवा संघ (पीएमएस) शाखा सोनभद्र का चुनाव शांतिपूर्ण एवं निर्विरोध संपन्न हुआ। चुनाव प्रक्रिया के तहत 25 से 28 जुलाई 2026 तक नामांकन सम्पन्न हुआ। जिसमें कुल 08 पदों के लिए 08 प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र दाखिल किए। अध्यक्ष पद पर एक तथा शेष अन्य पदों पर भी एक-एक नामांकन प्राप्त होने से सभी प्रत्याशी दिनांक 04.08.2026 को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 06 अगस्त 2026 को जिला निर्वाचन अधिकारी डा0 जी0एस0 यादव ने सभी 08 प्रत्याशियों को मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 रमेश कुमार मिश्रा के समक्ष निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया। घोषित पदाधिकारियों में डा0 राजेश कुमार सिंह-अध्यक्ष, डा0 सुमन कुमार जायसवाल उपाध्यक्ष, डा0 गुरू प्रसाद मौर्य-उपाध्यक्ष, डा0 मोनिका सिंह-उपाध्यक्ष (महिला), डा0 मुन्ना प्रसाद-कोषाध्यक्ष, डा0 गिरधारी लाल-सम्पादक, डा0 संग्राम सिंह-सदस्य केंद्रीय कार्यकारिणी समिति सर्वसम्मति से चुने गये। सभी सदस्यों सर्वसम्मति से डा0 अखिलेश सिंह को शाखा का सचिव नियुक्त किया। निर्वाचन की घोषणा के बाद मुख्य चिकित्साधिकारी ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई देते हुए संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा चिकित्सकों के हितों में प्रभावी कार्य करने की बात कही।

सोनभद्र स्वामी रामदेव के संकल्प को साकार कर रहा पतंजलि परिवार ओबरा के गोठा टोला में हुआ औषधीय पौधरोपण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पतंजलि योगपीठ हरिद्वार के तत्वावधान में परम पूज्य श्रद्धेय स्वामी रामदेव जी महाराज एवं आयुर्वेद शिरोमणि पूज्य आचार्य बालकृष्ण जी महाराज के हर घर औषधीय पौधरोपण के पावन संकल्प को साकार करने हेतु सोनभद्र में पतंजलि परिवार पूरी निष्ठा के साथ जुटा हुआ है। पूरे जिले में योग शिक्षकों, बहन-भाइयों और प्रभारी कार्यकर्ताओं द्वारा युद्धस्तर पर पौधरोपण एवं वितरण का कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार (06 अगस्त 2026) को भारत स्वाभिमान सोनभद्र के जिला प्रभारी वीरेंद्र योगी द्वारा ओबरा क्षेत्र के गोठा टोला (डाला रोड) में व्यापक पौधरोपण अभियान चलाया गया। अभियान के तहत ओबरा परियोजना से सेवानिवृत्त बुद्धि सागर प्रजापति, हृदयानंद, सच्चिदानंद प्रजापति एवं केशव मौर्य के निवास स्थान पर औषधीय व फलदार पौधरोपण किया गया। इस अवसर पर वीरेंद्र योगी ने श्री बुद्धि सागर प्रजापति को आम का पौधा भेंट कर उनके दीर्घायु एवं निरोगी जीवन की कामना की। इसके साथ ही कोढ़ा टोला के मूल निवासी हृदयानंद के खेत में आंवला, बेल, अंगूर, हरसिंगार, सहजन और अश्वगंधा का पौधा रोपा गया। पतंजलि परिवार द्वारा उनके खेत में आगामी दिनों में सैकड़ों औषधीय पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। जिला प्रभारी वीरेंद्र योगी ने बताया कि ओबरा के साथ-साथ जुगैल, चोपन, डाला, परसोई, गोठानी शिव मंदिर और बिजौरा क्षेत्र के सभी घरों में तुलसी, नीम, बेल, एलोवेरा और गिलोय के पौधे लगाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि गिलोय, तुलसी और एलोवेरा औषधीय गुणों से भरपूर हैं, जो मौसमी बुखार, डेंगू, मलेरिया और टाइफाइड जैसी बीमारियों से बचाव व प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में बेहद कारगर सिद्ध होते हैं। इसलिए प्रत्येक घर में इन पौधों का होना अत्यंत आवश्यक है। पतंजलि महिला समिति सोनभद्र (दक्षिणी क्षेत्र) द्वारा ओबरा क्षेत्र के अभिभावकों से विशेष अपील की गई है कि वे अपने बच्चों के जन्मदिवस और अन्य मांगलिक अवसरों पर उनसे पौधरोपण अवश्य करवाएं। समिति का मानना है कि इस पहल से बच्चों के भीतर अपनी धरती माँ, संस्कृति, संस्कारों और प्रकृति के प्रति गहरा लगाव विकसित होगा, जो देश की वास्तविक पहचान को जीवंत रखने में मददगार साबित होगा।

08 अगस्त को तेलंगाना के महामहिम राज्यपाल का सोनभद्र भ्रमण कार्यक्रम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। तेलंगाना के महामहिम राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला जी का 08 अगस्त 2026 को सोनभद्र जनपद का भ्रमण प्रस्तावित है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार थाना रॉबर्ट्सगंज क्षेत्र के ग्राम एवं पोस्ट तेन्दू स्थित श्री रमेश मिश्रा के आवास पर पहुंचेंगे। इसके उपरांत महामहिम राज्यपाल अल्ट्राटेक सीमेंट गेस्ट हाउस, डाला पहुंचेंगे, जहां अल्प विश्राम करेंगे। दोपहर में महामहिम राज्यपाल ग्राम एवं पोस्ट चाचीकला, कोन स्थित श्री रमेश चन्द्र चतुर्वेदी के आवास पर आयोजित स्वर्गीय जय प्रकाश चतुर्वेदी (पूर्व संगठन मंत्री एवं पूर्व सदस्य, उत्तर प्रदेश विधान परिषद) की श्रद्धांजलि सभा एवं ब्रह्मभोज कार्यक्रम में सम्मिलित होकर श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। रावर्टसगंज के कैथी मारकण्डेय महादेव मन्दिर में दर्शन करेगें, दर्शन के उपरांत महामहिम राज्यपाल रॉबर्ट्सगंज सर्किट हाउस पहुंचेंगे तथा विश्राम के बाद वाराणसी के लिए प्रस्थान करेंगे।

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। करारी मसारी कब्रिस्तान में अतीक अहमद के बेटे अबान के लिए कब्र खुलकर तैयार। ज़ोहर की नमाज के बाद किया जायेगा, सुपुर्द ए खाक।

सोनभद्र प्रांतीय चिकित्सा सेवा संघ का चुनाव निर्विरोध संपन्न डॉ. राजेश कुमार सिंह बने अध्यक्ष, डॉ. अखिलेश सिंह सचिव

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। रॉबर्ट्सगंज/सोनभद्र। प्रांतीय चिकित्सा सेवा संघ (पीएमएस) शाखा सोनभद्र का द्विवार्षिक चुनाव शांतिपूर्ण माहौल में निर्विरोध संपन्न हो गया है। चुनाव प्रक्रिया के तहत निर्धारित 08 पदों के सापेक्ष केवल 08 प्रत्याशियों के नामांकन प्राप्त होने के बाद सभी पदाधिकारियों को सर्वसम्मति से निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। गुरुवार (06 अगस्त 2026) को जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. जी.एस. यादव ने मुख्य चिकित्साधिकारी (सीएमओ) डॉ. रमेश कुमार मिश्रा की गरिमामयी उपस्थिति में सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के नामों की आधिकारिक घोषणा की। चुनाव कार्यक्रम के अनुसार 25 जुलाई से 28 जुलाई 2026 तक नामांकन पत्र दाखिल किए गए थे।

जांच के उपरांत सभी पदों पर एक-एक नामांकन वैध पाए जाने पर 04 अगस्त को ही स्थिति स्पष्ट हो गई थी, जिसकी अंतिम घोषणा 06 अगस्त को की गई।

संघ के सदस्यों द्वारा सर्वसम्मति से चुनी गई नई कार्यकारिणी का विवरण इस प्रकार है।

अध्यक्ष डॉ. राजेश कुमार सिंह, सचिव डॉ. अखिलेश सिंह (सर्वसम्मति से नियुक्त) उपाध्यक्ष डॉ. सुमन कुमार जायसवाल उपाध्यक्ष डॉ. गुरू प्रसाद मौर्य, उपाध्यक्ष (महिला) डॉ. मोनिका सिंह, कोषाध्यक्ष डॉ. मुन्ना प्रसाद, संपादक डॉ. गिरधारी लाल, सदस्य (केंद्रीय कार्यकारिणी समिति) डॉ. संग्राम सिंह,निर्वाचन की आधिकारिक घोषणा के उपरांत मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. रमेश कुमार मिश्रा ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष, सचिव सहित पूरी कार्यकारिणी को माल्यार्पण कर बधाई दी।

सीएमओ ने अपने संबोधन में कहा कि प्रांतीय चिकित्सा सेवा संघ सरकारी डॉक्टरों की समस्याओं और उनके अधिकारों के लिए सदैव तत्पर रहा है।

उन्होंने उम्मीद जताई कि नई कार्यकारिणी जनपद में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के साथ-साथ चिकित्सकों के हितों की रक्षा और संगठन की मजबूती के लिए पूरी निष्ठा के साथ कार्य करेगी।

कार्यक्रम के दौरान जिले के तमाम वरिष्ठ चिकित्सक, चिकित्सा अधिकारी और स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे तथा नई कार्यकारिणी को शुभकामनाएं दीं।

स्पोर्ट्स

गॉल टेस्ट के लिए भारत की स्पिन पर खास तैयारीःगंभीर ने टूटी-फूटी पिच बनवाई, स्कूली स्पिनरों से कराया बल्लेबाजों का अभ्यास

स्पोर्ट डेस्क। श्रीलंका के स्पिनिंग ट्रैक पर जीत की तैयारी जानबूझकर छोड़ी गई, ताकि बल्लेबाज गॉल टेस्ट के चौथे

में भारतीय टीम कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती। 15 अगस्त से गॉल में शुरू होने वाले पहले टेस्ट और पांचवें दिन जैसी टर्न और अनियमित उछाल वाली परिस्थितियों में पहले से अभ्यास खिलाड़ियों की फिटनेस चिंता का विषय बनी हुई है। जसप्रीत बुमराह और वॉशिंगटन सुंदर

से पहले हेड कोच गौतम गंभीर ने कोलंबो में गॉल जैसी टूटी-

फूटी पिच बनवाकर बल्लेबाजों को अभ्यास कराया। गंभीर का कहना है कि पहले टेस्ट की शुरुआत तक टीम हर चुनौती का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार होगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय टीम मैच शुरू होने से 11 दिन पहले (मंगलवार, 4 अगस्त) ही श्रीलंका पहुंच गई थी। कोलंबो के नॉनडिस्क्रिप्ट क्रिकेट क्लब

कर सकें। स्कूली स्पिनरों ने भी कराया अभ्यास-भारतीय बल्लेबाजों के सामने पहले नेट बॉलर्स ने गेंदबाजी की। बाद में बाउंड्री के पास मौजूद स्थानीय स्कूली बच्चों और युवा स्पिनरों को भी गेंदबाजी के लिए बुलाया गया। इस पिच पर गेंद कभी तेजी से टर्न ले रही थी तो कभी नीची रह रही थी। ऐसे चुनौतीपूर्ण हालात में भारतीय टॉप ऑर्डर बल्लेबाजों ने लंबे समय तक अभ्यास किया। गिल

(एनसीसी) में टीम अब तक दो बार करीब तीन-तीन घंटे के अभ्यास सत्र कर चुकी है। शुक्रवार से भारत एसएलसी 11 के खिलाफ तीन दिवसीय वॉर्म-अप मैच भी खेलेगा, जिससे खिलाड़ियों को स्थानीय परिस्थितियों में ढलने का मौका मिलेगा। अभ्यास सत्र के दौरान गंभीर ने कहा, '15 अगस्त की सुबह हम चाहे पहले बल्लेबाजी करें या गेंदबाजी, हमारे सामने आने वाले हर सवाल का जवाब हमारे पास तैयार होगा।' गॉल जैसी पिच बनाने के लिए तैयार किया अलग विकेट-गॉल की स्पिन और अनियमित उछाल वाली पिच को ध्यान में रखते हुए हेड कोच गौतम गंभीर और बैटिंग कोच सितांशु कोटक ने कोलंबो के नॉनडिस्क्रिप्ट क्रिकेट क्लब (एनसीसी) मैदान के एक हिस्से में 22 गज की अनक्यूरेटेड पिच तैयार करवाई। इस पिच पर घास, दरारें और ढीली मिट्टी फिट, राहुल और पड्डिकल ने भी किया अभ्यास-बुधवार को अभ्यास के दौरान कप्तान शुभमन गिल के अंगूठे में गेंद लगी थी। हालांकि, गुरुवार को वे पूरी तरह फिट नजर आए और नेट्स में बल्लेबाजी की। केएल राहुल और देवदत्त पड्डिकल ने भी रवींद्र जडेजा और कुलदीप यादव की स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ लंबा अभ्यास किया। डब्लूटीसी फाइनल की रेस में अहम है सीरीज-वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्लूटीसी) के मौजूदा चक्र में फाइनल की उम्मीदें बनाए रखने के लिए भारत के लिए यह सीरीज काफी अहम है। टीम को फाइनल की दौड़ में मजबूत स्थिति बनाने के लिए श्रीलंका के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करना होगा। पिछले एक साल में भारत ने इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज 2-2 से ड्रॉ कराई थी, जबकि साउथ अफ्रीका में 0-2 से हार का सामना करना पड़ा पहले टेस्ट में उपलब्ध नहीं होंगे। वहीं, साई सुदर्शन को अभी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से मैच खेलने की मंजूरी का इंतजार है। बाकी खिलाड़ी पूरी तरह फिट हैं। अभ्यास में बल्लेबाजों की मदद के लिए हर्ष दुबे, तनुष कोटियान, विप्रज निगम और शिवांग कुमार नेट बॉलर के रूप में टीम के साथ हैं। खिलाड़ियों ने व्यक्तिगत स्तर पर भी की तैयारी-श्रीलंका रवाना होने से पहले खिलाड़ियों ने अलग-अलग जगहों पर तैयारी की। केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल ने मुंबई में इनडोर सुविधाओं में बल्लेबाजी का अभ्यास किया। शुभमन गिल ने चंडीगढ़ में लाल गेंद से ट्रेनिंग की, जबकि ऋषभ पंत ने रांची में फिटनेस और बल्लेबाजी पर काम किया। सख्त सुरक्षा के बीच हुआ अभ्यास-कोलंबो के एनसीसी मैदान पर भारतीय टीम के अभ्यास के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहे। मीडिया को जांच के बाद ही प्रवेश दिया गया, जबकि पूरे परिसर में हथियारबंद सुरक्षाकर्मी तैनात रहे। भारत को 18 साल से नहीं हरा सका श्रीलंका-भारत और श्रीलंका के बीच अब तक 17 टेस्ट सीरीज खेली गई हैं। इनमें टीम इंडिया का पलड़ा भारी रहा है। भारत ने 10 सीरीज जीती हैं, जबकि श्रीलंका को 3 में जीत मिली है। दोनों टीमों के बीच 4 सीरीज ड्रॉ रही हैं। श्रीलंका पिछले छह सीरीज से भारत को नहीं हरा सका है। उसने भारत के खिलाफ आखिरी टेस्ट सीरीज जीत 2008 में दर्ज की थी, यानी उसे करीब 18 साल से भारत के खिलाफ सीरीज जीत का इंतजार है। एसएलसी 11 स्क्वॉड-निशान मदुष्का, रविंदु रशांता, पसिंदु सूर्यबांडारा, पवन रथनायके, अहान विक्रमसिंघे, सोनल दिनुषा (कप्तान), अंजाला बंडारा (विकेटकीपर), निपुण धनंजय, लाहिरू कुमारा, विश्वा फर्नांडो, असंका मनोज, इसिथा विजेसुंदरा, रमेश मेंडिस, केसरा नुवंथा और दिलुम सुदीरा।

मानसून से पहले कराएं वाटरप्रूफिंग, क्या नए घर में भी कराना जरूरी, जानें सही तरीका और जरूरी सावधानियां

लखनऊ। मानसून जल्द ही केरल में दस्तक देने वाला है। लगभग 20 दिन बाद मध्य-उत्तर भारत में भी पहुंच जाएगा। अगर

मानसून से पहले घर की देखभाल न करने पर छोटी दरारें, सीलन और लीकेज भी बड़ी समस्या बन सकती हैं। इसलिए घर की सुरक्षा के लिए समय रहते वाटरप्रूफिंग जरूरी है। कुछ लोग मानते हैं कि नए घरों में वाटरप्रूफिंग की जरूरत नहीं होती। लेकिन एक्सपर्ट्स के अनुसार, इससे छत, दीवार और बेसमेंट सुरक्षित रहते हैं। साथ ही घर की लाइफ भी बढ़ती है। इसलिए 'जरूरत की खबर' में आज वाटरप्रूफिंग की बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि- कैसे समझें कि घर में वाटरप्रूफिंग की जरूरत है? इस दौरान किन बातों का ध्यान रखें? इन्ही चीज़ो को समझेंगे एक्सपर्टः दिनेश कुमार, सिविल इंजीनियर, लखनऊ जी के साथ सवाल जवाब के माधयम से। बारिश के कारण छोटे क्रैक्स और नमी बड़े लीकेज में बदल सकते हैं। समय पर की गई वाटरप्रूफिंग घर को लंबे समय तक सुरक्षित रखती है और मरम्मत का खर्च कम करती है। इससे घर को नुकसान होता है और उसकी लाइफ कम होती है। सवाल- क्या नए घरों में भी कराने से ज्यादा किफायती होता है। सवाल- मानसून शुरू होने से कितने दिन पहले वाटरप्रूफिंग करा लेनी चाहिए? जवाब- मानसून शुरू होने से कम-से-कम 25-30 दिन पहले वाटरप्रूफिंग करा लेनी चाहिए। इससे मरम्मत, कोटिंग और सूखने (क्योरिंग) के लिए पर्याप्त समय मिलता है। सवाल- वाटरप्रूफिंग का काम कौन करता है? अपने शहर में सही कॉन्ट्रैक्टर कैसे ढूंढें? जवाब- वाटरप्रूफिंग का काम आमतौर पर स्पेशलाइज्ड वाटरप्रूफिंग कॉन्ट्रैक्टर, सिविल रिपेयर कंपनियां या बिल्डिंग मेंटेनेंस सर्विस प्रोवाइडर करते हैं। ये लोग छत, बाथरूम, दीवार, बेसमेंट और पानी की टंकी जैसी जगहों पर लीकेज रोकने के लिए अलग-अलग टेक्नीक और केमिकल इस्तेमाल करते हैं। वाटरप्रूफिंग कॉन्ट्रैक्टर ढूंढ रहे हैं, तो इन बातों का ध्यान रखें- पहले उनकी पुरानी साइट्स या काम की फोटो देखें। कॉन्ट्रैक्टर से लिखित वारंटी जरूर लें। कौन-सा मटेरियल इस्तेमाल होगा, यह स्पष्ट पूछें। सिर्फ कॉन्ट्रैक्टर के साथ निरीक्षण जरूरी है। सवाल- क्या छत और दीवारों के लिए अलग-अलग वाटरप्रूफिंग टेक्नीक होती है? जवाब- हां, दोनों के लिए अलग टेक्नीक इस्तेमाल होती है। छत पर पानी ज्यादा रुकता है, इसलिए मजबूत मेम्ब्रेन या पीयू कोटिंग लगती है। बाहरी दीवारों में एंटी-सीपेज और युवी-रेजिस्टेंट कोटिंग कारगर रहती है। बाथरूम और बेसमेंट के लिए अलग सिस्टम चुने जाते हैं। सवाल- एक बार वाटरप्रूफिंग कराने के बाद यह कितने साल तक चलती है? जवाब- वाटरप्रूफिंग की लाइफ टेक्नीक और केयर पर निर्भर करती है। सामान्य सीमेंट बेस्ड सिस्टम 5-7 साल चल सकते हैं। पीयू और मेम्ब्रेन सिस्टम 10-15 साल तक चल सकते हैं। खराब ड्रेनेज, दरारें और तेज धूप इसकी लाइफ घटा सकते हैं। इसलिए समय-समय पर निरीक्षण जरूरी है। सवाल- वाटरप्रूफिंग कराते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? जवाब- वाटरप्रूफिंग कराते समय कुछ बातों का ख्याल जरूर रखें-लीकेज और

वाटरप्रूफिंग जरूरी है? जवाब- हां, इसे 'प्रिवेंटिव वाटरप्रूफिंग' कहते हैं। इससे भविष्य की समस्याओं से बचाव होता है। नया घर बनने के बाद कंक्रीट और प्लास्टर में हल्की दरारें आ सकती हैं, जिनसे पानी अंदर जा सकता है। समय पर वाटरप्रूफिंग कराने से छत टपकने, सीलन और पेंट खराब होने का रिस्क कम होता है। इससे सरिया और कंक्रीट सुरक्षित रहते हैं और घर मजबूत बना रहता है। निर्माण के समय वाटरप्रूफिंग कराना बाद में रिपेयर कराने की तुलना में सस्ता और आसान पड़ता है। सवाल- वाटरप्रूफिंग कराने का सही समय क्या है? जवाब- इसका सबसे सही समय मानसून से पहले है। सूखी सतह पर सामग्री बेहतर काम करती है। कोटिंग और केमिकल्स को सूखने का पूरा समय मिलता है। गर्म और सूखे मौसम में क्रैक्स सस्ता कोटेशन देखकर फैसला न लें। गूगल रिव्यूज और लोकल रेफरेंस जरूर चेक करें। ऐसे कॉन्ट्रैक्टर चुनें, जो पहले साइट इंस्पेक्शन करे, फिर समाधान बताएं। काम शुरू होने से पहले एरिया, लेयर और टाइमलाइन लिखित में तय करें। सवाल- वाटरप्रूफिंग कितने प्रकार की होती है? कौन-सी टेक्नीक सबसे टिकाऊ मानी जाती है? जवाब- घर में जरूरत के हिसाब से कई तरह की वाटरप्रूफिंग टेक्नीक इस्तेमाल की जाती हैं। हर टेक्नीक का उपयोग अलग जगह और समस्या के अनुसार होता है। सवाल- छत की वाटरप्रूफिंग में कितना खर्च आता है? खर्च कैसे कैलकुलेट करें? जवाब- खर्च आमतौर पर प्रति वर्गफुट तय होता है। टेक्नीक, मटेरियल और लीकेज की स्थिति पर लागत निर्भर करती है। साधारण कोटिंग सस्ती होती है, जबकि इंज (पॉलीयुरेथेन) और दरारों की जांच कराएं। सतह साफ और सूखी होनी चाहिए। जरूरत के मुताबिक वाटरप्रूफिंग चुनें। क्वालिटी मटेरियल का इस्तेमाल करें। अनुभवी कॉन्ट्रैक्टर से काम कराएं। ड्रेनेज सिस्टम की जांच करवाएं। काम के बाद निरीक्षण कराते रहें। वाटरप्रूफिंग से जुड़े जरूरी सवाल-जवाबः- सवाल- क्या पुरानी छत पर दोबारा वाटरप्रूफिंग कराई जा सकती है?जवाब- हां, पुरानी छत पर दोबारा वाटरप्रूफिंग कराई जा सकती है। पहले पुरानी लेयर, क्रैक्स और लीकेज की जांच जरूरी होती है। जरूरत पड़ने पर सतह रिपेयर की जाती है। उसके बाद नई कोटिंग या मेम्ब्रेन लगाई जाती है। सही रिपेयर से छत की लाइफ बढ़ सकती है। सवाल- क्या वाटरप्रूफिंग कराने के बाद भी रेगुलर मेंटेनेंस जरूरी होता है? जवाब- हां, रेगुलर मेंटेनेंस जरूरी है।

तापमान बढ़ने पर बदलता हैं व्यवहार,चिड़चिड़ापन,समझें ब्रेन और इमोशंस पर हीट का असर

नयी दिल्ली। गर्मी में टेम्परेचर बढ़ने पर ज्यादातर लोग थकान, चिड़चिड़ापन या कम नींद जैसी समस्याएं महसूस करते हैं। कई बार काम में फोकस कम हो जाता है, बात-बात पर गुस्सा आता है

या बिना वजह बेचैनी बढ़ती है। हीट वेव या लगातार हाई टेम्परेचर से स्ट्रेस लेवल, स्लीप प्रॉब्लम्स और मूड स्विंग्स से जुड़े केस बढ़ सकते हैं। 'इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एनवायर्नमेंटल रिसर्च एंड पब्लिक हेल्थ' में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, गर्मियों में मेंटल हेल्थ डिपार्टमेंट के केस 8फीसदी तक बढ़ जाते हैं। डिहाइड्रेशन, खराब स्लीप पैटर्न और डेली रूटीन में बदलाव मिलकर 'मेंटल बैलेंस' को प्रभावित करते हैं। इसलिए 'जरूरत की खबर' में आज जानेंगे कि गर्मी ब्रेन को कैसे प्रभावित करती है। किन लोगों को ज्यादा रिस्क होता है? इससे बचने के आसान उपाय क्या हैं?साथ ही जानेंगे कि- विषय को समझेंगे एक्सपर्टः डॉ. नीलशा भेरवानी, सीनियर कंसल्टेंट, क्लिनिकल साइकोलॉजी, अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल, दिल्ली जी से सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- गर्मियों में टेम्परेचर बढ़ने पर हमारे मूड और ब्रेन फंक्शन पर क्या प्रभाव पड़ता है? जवाब- गर्मियों में ज्यादा टेम्परेचर होने पर शरीर को ठंडा रखने के लिए ज्यादा ऊर्जा खर्च होती है, जिससे थकान और चिड़चिड़ापन बढ़ सकता है। डिहाइड्रेशन हो सकता है, जिससे फोकस और याददाश्त पर बुरा असर पड़ता है। ब्रेन में सेरोटोनिन और डोपामिन जैसे फील गुड हॉर्मोन्स का संतुलन बिगड़ सकता है। इससे मूड स्विंग, बेचैनी और गुस्सा बढ़ने की संभावना रहती है। स्लीप क्वालिटी खराब हो सकती है, जो ब्रेन फंक्शन को प्रभावित करती है। लंबे समय तक हीट एक्सपोजर से निर्णय लेने की क्षमता और फोकस भी कमजोर हो सकता है। सवाल- गर्मी बढ़ने पर किस तरह की मेंटल हेल्थ प्रॉब्लम्स हो सकती हैं? जवाब- गर्मी का असर ब्रेन और इमोशंस पर भी पड़ता है। इससे डिहाइड्रेशन, नींद की कमी और हार्मोनल बदलाव जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इससे कौन-सी मेंटल हेल्थ समस्याएं हो सकती हैं, स्ट्रेस लेवल बढ़ना, गुस्सा और चिड़चिड़ापन, एंजाइटी, डिप्रेशन, बेचैनी, घबराहट, मूड स्विंग्स, थकान, फोकस में कमी और सुस्ती। सवाल- क्या ये साइंटिफिकली प्रूवेन है कि हीट वेव के दौरान स्ट्रेस, स्लीप प्रॉब्लम या मूड स्विंग्स के केस बढ़ जाते हैं? जवाब- हां, अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन के मुताबिक, हीट वेव के समय मेंटल स्ट्रेस और चिड़चिड़ापन बढ़ सकता है। ज्यादा गर्मी से शरीर का थर्मोरेगुलेशन सिस्टम लगातार एक्टिव रहता है, जिससे मानसिक थकान बढ़ती है। रात में भी टेम्परेचर ज्यादा रहने से स्लीप क्वालिटी खराब होती है, जो मूड को प्रभावित करती है। सवाल- हाई-टेम्परेचर के कारण डिहाइड्रेशन होने पर मेंटल हेल्थ पर क्या असर होता है? जवाब- डिहाइड्रेशन से ब्रेन सेल्स तक ब्लड और ऑक्सीजन सप्लाई प्रभावित हो सकती है, जिससे सोचने की क्षमता घटती है। शरीर में फ्लूइड कम होने से फोकस और अलर्टनेस में कमी महसूस होती है। इलेक्ट्रोलाइट असंतुलन के कारण लो एनर्जी और मानसिक सुस्ती बढ़ सकती है। इमोशनल कंट्रोल कमजोर हो सकता है, जिससे गुस्सा या उदासी जल्दी आती है। लंबे समय तक डिहाइड्रेशन से कन्फ्यूजन और चिड़चिड़ापन भी बढ़ सकता है। सवाल- कौन-से मानसिक और बिहेवियरल लक्षण नजरअंदाज नहीं करने चाहिए? क्या ये गर्मियों में ज्यादा गंभीर हो सकते हैं? जवाब- मानसिक और व्यवहार से जुड़े कुछ बदलाव ऐसे होते हैं, जो बताते हैं कि ब्रेन और इमोशन्स पर दबाव बढ़ रहा है। हीट स्ट्रेस से ये लक्षण ज्यादा स्पष्ट और गंभीर हो सकते हैं। कुछ लोगों में इस मौसम में एंग्जाइटी, मूड स्विंग्स, थकान और अन्य मेंटल हेल्थ प्रॉब्लम्स का रिस्क ज्यादा हो सकता है। सवाल- अगर किसी को एंग्जाइटी, डिप्रेशन या स्लीप डिसऑर्डर है तो क्या गर्मियों में स्थिति और बिगड़ सकती है? जवाब- हां, गर्मी ज्यादा होने पर ये समस्याएं और बढ़ सकती हैं। पॉइंटर्स में समझिए- पसीने के साथ इलेक्ट्रोलाइट लॉस होने से ब्रेन फंक्शन और मूड कंट्रोल प्रभावित हो सकता है। तेज रोशनी और दिन लंबे होने से सर्केडियन रिद्म बिगड़ सकती है, जिससे स्लीप क्वालिटी खराब होती है। डिहाइड्रेशन के कारण कंसंट्रेशन और एंग्जाइटी जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं।ज्यादा थकान और लो एनर्जी डिप्रेशन के लक्षणों को ट्रिगर कर सकती है। सवाल- गर्मियों में कौन-सी हैबिट्स दिमाग और मूड पर अतिरिक्त दबाव डालती हैं, जिनसे बचना चाहिए? जवाब- गर्मियों में ज्यादा फिजिकल एक्टिविटी से ब्रेन पर स्ट्रेस हार्मोन बढ़ सकता है। हाई कैफीन या शुगरी ड्रिंक लेने से मूड स्विंग्स और हार्ट रेट बढ़ सकती हैं। देर रात तक स्क्रीन यूज करने से मेलाटोनिन रिलीज कम होता है और स्लीप साइकल बिगड़ती है। अनियमित बोजन या जंक फूड से ब्लड शुगर फ्लक्चुएशन होता है, जो इमोशनल स्टेबिलिटी को प्रभावित करता है। एसी और बाहर की गर्मी के बीच बार-बार एक्सपोजर से शरीर पर एडजस्टमेंट स्ट्रेस बढ़ता है। पानी कम पीने से भी मेंटल और फिजिकल परफॉर्मेंस घट सकती हैं। सवाल- गर्मियों में 'मेंटल बैलेंस' के लिए लाइफस्टाइल में क्या बदलाव करने चाहिए? जवाब- लाइफस्टाइल में जरूरी बदलाव पॉइंटर्स में समझिए- सुबह या शाम के ठंडे समय में हल्की एक्सरसाइज या वॉक करें।पूरे दिन में पर्याप्त पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स लें। स्लीप हाइजीन सुधारें, कमरे का टेम्परेचर कम रखें और लाइट कम रखें। डाइट में ताजे फल, सलाद और ओमेगा-3 से भरपूर फूड्स शामिल करें। दिन में छोटे-छोटे ब्रेक लें और रिलैक्सेशन टेक्नीक (जैसे डीप ब्रीदिंग) अपनाएं। सनलाइट एक्सपोजर सीमित रखें।डेली रूटीन नियमित बनाए रखें। सवाल- मूड और ब्रेन हेल्थ के लिए गर्मियों में कैसी डाइट होनी चाहिए? जवाब- ऐसी डाइट लें, जो शरीर को हाइड्रेटेड, हल्की और न्यूट्रिएंट-डेंस रखे, ताकि ब्रेन को लगातार ग्लूकोज और माइक्रोन्यूट्रिएंट मिलते रहें। सवाल- जो लोग आउटडोर काम करते हैं या ज्यादा गर्मी में रहते हैं, उन्हें मेंटल वेलबीइंग के लिए क्या सावधानियां बरतनी चाहिए? जवाब- काम के दौरान हर 30-40 मिनट में शेड या ठंडी जगह पर छोटा ब्रेक लें, ताकि ब्रेन ओवरहीटिंग से बच सके। ढीले, हल्के रंग के कपड़े पहनें, जिससे शरीर का टेम्परेचर कंट्रोल में रहता है और थकान कम होती है। काम की टाइमिंग संभव हो तो सुबह या देर शाम रखें। इलेक्ट्रोलाइट ड्रिंक या नींबू पानी लेने से नर्व और मसल फंक्शन बेहतर रहता है।

सीधे सनलाइट एक्सपोजर से बचें। काम के बाद रिलैक्सेशन एक्टिविटी (म्यूजिक, मेडिटेशन) करें। सवाल- अगर तेज गर्मी में घबराहट, बेचैनी या पैनिक जैसे लक्षण महसूस हों तो तुरंत क्या करना चाहिए?जवाब- तुरंत ठंडी या हवादार जगह पर बैठें या लेटें ताकि शरीर का टेम्परेचर धीरे-धीरे कम हो सके। धीरे-धीरे गहरी सांस लेने से नर्वस सिस्टम शांत होता है और पैनिक कम होता है। ठंडा पानी या ओआरएस के छोटे-छोटे घूंट लें, इससे ब्रेन को ब्लड फ्लो सपोर्ट मिलता है। चेहरे, गर्दन या कलाई पर ठंडा पानी डालने से कूलिंग रिस्पॉन्स जल्दी शुरू होता है। अगर कपड़े टाइट हों तो ढीले करें और शरीर को रिलैक्स रखें। ये लक्षण लगातार बने रहें, चक्कर या उल्टी आए तो मेडिकल हेल्प जरूर लें।

बच्चों को ऐसी दुनिया से बचाइए, जो काम से ज्यादा दिखावे को महत्व देती है

हमारे बच्चे और टीनेजर्स आज जितनी बड़ी संख्या में भावनात्मक तनावों का सामना कर रहे हैं, उनसे पार पाना मुश्किल लग सकता है। इनमें नींद की कमी, एकेडमिक प्रेशर और अकेलापन जैसी चीजें शामिल हैं। लेकिन दुनिया में जिस समस्या का इलाज करा रहे युवाओं की संख्या बढ़ रही है, वह है- एंग्जायटी। और यही पैरेंट्स की भी सबसे बड़ी चिंता है। एंग्जायटी से जूझ रहे बच्चे अकसर चीजों से बचते हैं, अलगाव का अत्यधिक भय दिखाते हैं या चिपके रहते हैं। बार-बार पेटदर्द जैसी परेशानियों की शिकायत करते हैं, जिनका कोई स्पष्ट कारण नहीं होता। अचानक गुस्सा हो जाते हैं। आमतौर पर ऐसे बच्चे बार-बार भरोसा मांगते हैं। इस बारे में बहुत-से विशेषज्ञों की सलाह का कलेक्शन यहां पेश है। इन्टेंसिव पैरेंटिंग बंद करें: हम 'हेलीकॉप्टर पैरेंटिंग' के दौर में जी रहे हैं, जहां पैरेंट हमेशा बच्चे पर नजर रखते हैं। संस्कृति हम पर दबाव डाल रही है कि अच्छे पैरेंट्स बच्चे के जीवन में संघर्ष आने ही नहीं देते। ऐसी पैरेंटिंग का एक कारण सुरक्षा चिंताएं भी हो सकती हैं। हाल ही में एक छोटे बच्चे के शारीरिक उत्पीड़न का वीडियो वायरल होने के बाद बेंगलुरु के ब्रूकफील्ड स्थित कैपजेमिनी के एचएएल कैंपस की क्रेच के दो केयरगिवर्स को गिरफ्तार किया गया। लेकिन दुर्भाग्य से पैरेंट्स जितनी 'ओवर पैरेंटिंग' करते हैं, बच्चा उतना ही कम क्षमतावान हो जाता है। 3 साल का बच्चा भी कठिन कार्य कर सकता है: मैंने देखा है कि बच्चों के लिए म्यूजिक या डांस की पहली क्लास डरावनी होती है। वे रोते हैं और मां को छोड़कर दूसरे किसी ग्रुप में जाने से इनकार करते हैं। लेकिन उन मांओं को भरोसा होता है कि बच्चा यह कर सकता है। उनमें से ज्यादातर कहती हैं कि 'अभी यह मुश्किल लग रहा है, क्योंकि तुमने पहले कभी नहीं किया। लेकिन मम्मा जानती है कि तुम कर सकते हो।' ये सुनते ही बच्चे तुरंत डांस नहीं करने लगते। बल्कि, कई हफ्तों तक क्लासरूम के दरवाजे पर खड़े रहते हैं। फिर धीरे-धीरे शांत होकर क्लास जॉइन कर लेते हैं। यही नियम तब भी लागू होता है, जब वे स्कूल जाने से मना करते हैं। भावनाएं तथ्य नहीं होतीं: जब बच्चा परेशान हो तो पैरेंट के तौर पर आपको भी परेशान नहीं होना चाहिए। जब आप प्यार से कहते हैं, 'ओह, क्या तुम्हें यह काम करने में बुरा लग रहा है' तो बच्चे की एंग्जायटी और बढ़ती है। उन्हें 'असहज और असुरक्षित' महसूस होता है, जिससे उनके मन में भावना आती है कि 'मैं यह नहीं कर सकता' या 'यह मेरे लिए नहीं है।' इसलिए हमेशा भावनाओं और तथ्यों में फर्क करने का प्रयास करें। एकेडमिक प्रेशर दुश्मन है: बहुत से लोग मानते हैं कि किसी भी स्कूल में नंबर ही सबसे कीमती है। बच्चों से ज्यादा पैरेंट्स उनके नंबरों में रुचि लेते हैं और इसीलिए वे उनके होमवर्क को भी बारीकी से प्रबंधित करने लगते हैं। यदि आप होमवर्क में दखल देना बंद करें तो बच्चे ज्यादा मोटिवेटेड और एंगेज्ड महसूस करेंगे। बच्चों की पढ़ाई में पैरेंट्स को खुद ही मुख्य कर्ता-धर्ता बनने के बजाय सपोर्टिव रोल निभाना चाहिए। अकेलापन बड़ी समस्या है: खराब मानसिक स्वास्थ्य का मुख्य कारण यही है। बच्चों के दोस्तों को घर बुलाकर इससे निपटने में उनकी मदद करें। स्क्रीन से कनेक्ट होने के बजाय उन्हें दोस्तों से जुड़ने दें। चूंकि बच्चों को ऊर्जा खर्च करने की जरूरत होती है, इसलिए उन्हें स्पोर्ट्स, क्लाइम्बिंग, टहलने, मार्शल आर्ट्स, डांस, साइक्लिंग और एक्सरसाइज के लिए प्रेरित करें। स्क्रीन कभी ऐसे अनुभव नहीं दे सकती। ये तनाव घटाने, साहस विकसित करने और असहजता को सहन कर सकने के शारीरिक तरीके हैं। आप देखेंगे कि उनकी काबिलियत बढ़ रही है। उनसे लगातार बात करते रहिए। मसलन, कॉलोनी के आसपास टहलते हुए उन्हें बताइए कि आपके बचपन में इस इलाके में कितने पेड़ होते थे। कैसे आप उन पर चढ़ते थे और उनके नाम क्या थे। उन्हें अपने बचपन के किस्से भी सुनाएं। फंडा यह है कि अपने बच्चों को ऐसी दुनिया से बचाइए, जो काम से ज्यादा दिखावे को महत्व देती है। उन्हें कन्ज्यूमिंग, स्क्रॉलिंग या सिर्फ सफलता की बातें करने के बजाय कुछ करने, बनाने और समस्याएं सुलझाने का महत्व बताइए। भविष्य में महज देखने या बातचीत करने वालों की तुलना में हमेशा वो लोग आगे रहेंगे, जो कुछ करते हैं। एन. रघुरामन

चरणामृत और पंचामृत से जुड़ी मान्यताएं, चरणामृत जल से बनाते हैं, जानिए पंचामृत बनाने के लिए किन चीजों का इस्तेमाल करें

मंदिरों में पूजा के बाद प्रसाद के रूप में चरणामृत और पंचामृत खासतौर पर दिया जाता है। ये दोनों अलग-अलग चीजें हैं और इन्हें बनाने की विधि भी अलग है। चरणामृत और पंचामृत से धर्म लाभ के साथ ही स्वास्थ्य लाभ भी मिलते हैं। चरणामृत जल से बनता है और पंचामृत दूध, दही, घी, शहद और मिश्री या शक्कर मिलाकर बनाया जाता है। उज्जैन के ज्योतिषाचार्य पं. मनीष शर्मा के मुताबिक, चरणामृत का अर्थ है भगवान के चरणों का अमृत। पूजा करते समय भगवान के चरणों में तांबे के बर्तन से शुद्ध जल अर्पित किया जाता है। इस जल में तुलसी के पत्ते भी मिलाए जाते हैं। भगवान के चरणों पर अर्पित किया हुआ जल चरणामृत बन जाता है। श्रद्धा भाव से भक्त इसे पीते हैं। आयुर्वेद के अनुसार, तांबे के बर्तन में रखे तुलसी मिश्रित जल में औषधीय गुण आ जाते हैं। इस जल का नियमित रूप से लंबे समय तक सेवन करने से हमें स्वास्थ्य लाभ मिल सकते हैं। तांबे के बर्तन में रखा जल स्वास्थ्य के लाभदायक माना जाता है। तुलसी के गुण हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाते हैं। कैसे बनाते हैं पंचामृत:-पंचामृत का अर्थ है- पंच अमृत यानी पांच प्रकार के अमृत। इसे दूध, दही, घी, शहद, मिश्री या शक्कर मिलाकर बनाया जाता है। पंचामृत से भगवान का अभिषेक भी किया जाता है, मूर्ति को स्नान कराया जाता है। कई लोग पंचामृत में तुलसी दल, केसर, इलायची, सूखे मेवे और गंगाजल भी मिला लेते हैं। पंचामृत से अभिषेक करने के लिए सबसे पहले अपने इष्टदेव के सामने दीपक और धूप जलाकर भगवान का ध्यान करें। पहले शुद्ध जल से भगवान की प्रतिमा को स्नान कराएं। जल के बाद धीरे-धीरे पंचामृत भगवान की मूर्ति या शिवलिंग पर अर्पित करें। इस दौरान अपने इष्ट देव के मंत्र का जप करें। जैसे शिव जी के लिए- ॐ नमः शिवाय, विष्णु जी के लिए - ॐ नमो नारायणाय, ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय, गणेश जी के लिए- ॐ गं गणपतये नमः, श्रीकृष्ण के लिए - कृं कृष्णाय नमः, श्रीराम के लिए - रां रामाय नमः, हनुमान जी के लिए - ॐ रामदूताय नमः का जप कर सकते हैं। पंचामृत अभिषेक के बाद फिर से जल से भगवान को स्नान कराएं। इसके बाद भगवान की प्रतिमा को स्वच्छ कपड़े से साफ करें। चंदन, हार-फूल, चावल, धूप, दीप और नैवेद्य अर्पित करें। मिठाई का भोग लगाएं, प्रसाद में चरणामृत और पंचामृत भी रखें। आरती करें। पूजा के बाद चरणामृत, पंचामृत, मिठाई प्रसाद के रूप में अन्य भक्तों को बांटें और खुद भी लें। पंचामृत के पांचों तत्वों का धार्मिक महत्व:-दूध - पवित्रता, सात्विकता और मातृत्व का प्रतीक है। दही - समृद्धि, स्वास्थ्य और शक्ति का प्रतीक है। घी - तेज, यज्ञ, ज्ञान और दिव्यता का प्रतीक है। शहद - मधुरता, एकता और सौहार्द का प्रतीक है। मिश्री या शक्कर - आनंद, सुख और शुभ फल का प्रतीक है। चरणामृत और पंचामृत में अंतर:- बहुत से लोग चरणामृत और पंचामृत को एक ही मान लेते हैं, जबकि दोनों में अंतर है। पंचामृत वह मिश्रण है जो पांच पवित्र चीजों से तैयार किया जाता है। मुख्य रूप से इसका इस्तेमाल देवताओं के अभिषेक में होता है और बाद में इसे प्रसाद के रूप में वितरित किया जाता है। चरणामृत वह पवित्र जल है जो भगवान के चरणों का स्पर्श कर चुका होता है। कई मंदिरों में अभिषेक के बाद प्राप्त पंचामृत ही चरणामृत बन जाता है, जबकि कई स्थानों पर चरणामृत अलग से जल, तुलसी और अन्य पवित्र सामग्री के साथ तैयार किया जाता है। इसलिए हर पंचामृत चरणामृत नहीं होता, लेकिन अभिषेक के बाद पंचामृत को चरणामृत का स्वरूप मान लिया जाता है। चरणामृत और पंचामृत पीने के धार्मिक लाभ - मान्यता है कि पंचामृत का सेवन करने से ईश्वर की कृपा प्राप्त होती है। पूजा और व्रत का पूर्ण फल मिलता है। मन में शांति और सकारात्मकता आती है। पं. शर्मा कहते हैं कि आयुर्वेद के अनुसार, पंचामृत में इस्तेमाल की जाने वाली चीजें पौष्टिक मानी जाती हैं। दूध और दही कैल्शियम और प्रोटीन के स्रोत हैं। घी ऊर्जा और वसा प्रदान करता है। शहद में प्राकृतिक शर्करा होती है और मिश्री स्वाद के साथ ऊर्जा भी देती है। हालांकि, यह कोई औषधि नहीं है और इसके स्वास्थ्य लाभ व्यक्ति की आयु, स्वास्थ्य स्थिति और सेवन की मात्रा पर निर्भर करते हैं।

कथाः व्यापारी को सेवक की एक सीख,एक छोटी-सी गलती हमारी वर्षों की मेहनत पर पानी फेर देती हैं, हर स्थिति में विनम्रता बनाए रखनी चाहिए

एक लोक कथा है। किसी राज्य में एक अत्यंत कुशल व्यापारी था। उसकी बुद्धिमानी, ईमानदारी और प्रबंधन क्षमता अद्भुत थी। राजा भी उसकी योग्यता से प्रभावित था, इसलिए उसने उसे पूरे राज्य का प्रशासक बना दिया। व्यापारी ने अपनी कार्यशैली से न केवल राजा का विश्वास जीता, बल्कि आम जनता का जीवन भी बेहतर बना दिया। उसकी लोकप्रियता दिन-प्रतिदिन बढ़ती गई। कुछ समय बाद व्यापारी की पुत्री का विवाह हो रहा था। व्यापारी ने इस अवसर को यादगार बनाने के लिए भव्य भोज रखा, जिसमें राजपरिवार से लेकर सामान्य नागरिक तक सभी को आमंत्रित किया गया। हर अतिथि का सम्मानपूर्वक स्वागत हुआ और उन्हें उपहार भेंट किए गए। भोज में राजमहल का एक साधारण सेवक, जो महल में सफाई का कार्य करता था, अनजाने में उस आसन पर बैठ गया जो राजपरिवार के लिए था। यह देखकर व्यापारी का क्रोध फूट पड़ा। उसने सबके सामने सेवक की गर्दन पकड़कर उसे अपमानित किया और धक्के देकर बाहर निकलवा दिया। अपमान की आग सेवक के मन में गहराई तक उतर गई। कुछ दिनों बाद वही सेवक राजा के कक्ष की सफाई कर रहा था। राजा अर्धनिद्रा में था। तभी सेवक धीरे-धीरे बड़बड़ाने लगा कि व्यापारी ने रानी के साथ अनुचित व्यवहार किया है। ये सुनते ही राजा चौंक उठा और उससे सत्य पूछा। सेवक ने तुरंत माफी मांगते हुए कहा कि रातभर जागने के कारण वह नींद में कुछ भी बोल रहा था। राजा ने बात वहीं समाप्त कर दी, लेकिन उसके मन में संदेह का बीज पड़ चुका था। परिणामस्वरूप व्यापारी के अधिकार सीमित कर दिए गए और महल में उसके प्रवेश पर रोक लगा दी गई। अगले दिन जब व्यापारी महल में आया तो उसे सैनिकों ने रोक दिया। यह देख कर व्यापारी बहुत हैरान हुआ। पास ही वही सेवक खड़ा हुआ था, उसने मजे लेते हुए कहा कि सैनिकों, जानते नहीं ये कौन हैं? और तुम्हें इस राज महल से बाहर फिंकवा सकते हैं, जैसा इन्होंने मेरे साथ किया था। यह बात सुनते ही व्यापारी को पूरी बात समझ आ गई। जब व्यापारी को इसका कारण समझ आया, तो उसने अहंकार छोड़कर उसी सेवक को अपने घर बुलाया। उसका आदर-सत्कार किया, उपहार दिए और सार्वजनिक अपमान के लिए विनम्रता से क्षमा मांगी। व्यापारी की सच्ची पश्चाताप भावना देखकर सेवक का मन बदल गया। उसने व्यापारी से कहा कि चिंता मत कीजिए, मैं आपको आपका सम्मान फिर से दिला दूंगा। अगले दिन उस सेवक ने फिर राजा की अर्धनिद्रा के समय वही पुराना तरीका अपनाया और इस बार राजा के बारे में एक हास्यास्पद बात बड़बड़ाई। राजा तुरंत समझ गया कि जैसे यह मेरे बारे में झूठ बोल सकता है, वैसे ही व्यापारी के बारे में भी झूठ ही बोला होगा। राजा को अपनी भूल का एहसास हुआ। अगले ही दिन उसने व्यापारी की प्रतिष्ठा और अधिकार पूरी तरह फिर से लौटा दिए। प्रसंग की सीख:-सभी का सम्मान करें - किसी का पद छोटा हो सकता है, लेकिन उसका आत्मसम्मान कभी छोटा नहीं होता। यदि हम लोगों का सम्मान करते हैं, तो वे भी हमारा साथ देते हैं। हमें सभी का सम्मान करना चाहिए। गुस्से में लिया गया निर्णय महंगा पड़ सकता है - व्यापारी ने केवल कुछ क्षण के क्रोध में सेवक का अपमान कर दिया, जिसकी कीमत उसे अपनी प्रतिष्ठा खोकर चुकानी पड़ी। इसलिए प्रतिक्रिया देने से पहले परिस्थिति को समझना आवश्यक है।रिश्ते शक्ति से नहीं, प्रेम से बनते हैं - नेतृत्व का अर्थ केवल आदेश देना नहीं है, बल्कि सभी के साथ सम्मान से पेश आना है। एक अच्छा नेता वही होता है जो सबसे छोटे कर्मचारी की भी कद्र करता है। रिश्ते शक्ति से नहीं, प्रेम से पेश आने से बनते हैं। अफवाहों और संदेहों से बचें - राजा ने बिना प्रमाण के व्यापारी पर संदेह कर लिया। जीवन में किसी भी निर्णय पर पहुंचने से पहले तथ्यों की जांच जरूर करें। अधूरी जानकारी अक्सर गलत फैसलों की वजह बनती है।गलती स्वीकार करना कमजोरी नहीं है - व्यापारी ने अहंकार छोड़कर सेवक से क्षमा मांगी। यही कदम उसकी प्रतिष्ठा वापस लाने का कारण बना। अपनी गलती स्वीकार करना कमजोरी नहीं, बल्कि परिपक्वता और आत्मविश्वास का संकेत है। क्षमा रिश्तों को नया जीवन देती है - यदि सेवक मन में बदले की भावना बनाए रखता, तो विवाद और बढ़ता। लेकिन उसने व्यापारी को क्षमा करके स्थिति को बदल दिया। क्षमा केवल दूसरे को नहीं, स्वयं को भी शांति देती है। प्रतिष्ठा वर्षों में बनती है, लेकिन कुछ पलों में बिगड़ सकती है - एक छोटी-सी असावधानी या अपमानजनक व्यवहार हमारी वर्षों की मेहनत पर पानी फेर सकता है। इसलिए हर परिस्थिति में संयम और विनम्रता बनाए रखना जरूरी है।

बच्चे को अकेला ही कर रही परफेक्ट जिंदगी देने की जिद,भाई-बहन न होने से अहम बातें साझा नहीं होतीं, रूठने-मनाने में भी कमजोर

द न्यू यॉर्क टाइम्स। पैरेंटिंग को लेकर दुनियाभर में लोगों का नजरिया तेजी से बदल रहा है। दंपती अब एक ही बच्चा चाहते हैं। उन्हें लगता है कि एक बच्चा होगा तो वे उसे हर खुशी, बढ़िया पढ़ाई और ऐशो-आराम दे पाएंगे। लेकिन कभी सोचा है कि ऐसा करके बच्चों को ऐसे एकांत की तरफ धकेल रहे हैं, जहां उनके पास दिल की बात साझा करने के लिए भाई या बहन ही नहीं है...? अमेरिका से लेकर यूरोप तक इकलौते बच्चे वाले परिवारों की तादाद दोगुनी हो चुकी है। प्रजनन दर रिकॉर्ड स्तर पर गिर चुकी है। पर इस 'क्वालिटी पैरेंटिंग' के फेर में सबसे खूबसूरत चीज घरों से ओझल हो गई है...भाई-बहनों की प्यारी नोकझोंक, तकिए की लड़ाई और एक-दूसरे का साथ। एक्सपर्ट इसे 'सिबलिंग स्कूल' का गुम हो जाना बताते हैं। अमेरिका में हुई स्टडी में पांच या अधिक बच्चों वाली माताओं ने बताया- एक बच्चे की तुलना में पांच बच्चों की परवरिश आसान है, क्योंकि उनमें अच्छे संस्कार और चरित्र का विकास सहज रूप से हो जाता है।इस स्टडी का नेतृत्व चर्चित अमेरिकी अर्थशास्त्री डॉ. कैथरीन पकालुक ने किया। वे कहती हैं,'इसकी वजह दिलचस्प है- घर में एक से ज्यादा बच्चे होते हैं, तो वे स्वाभाविक रूप से शेयरिंग व केयरिंग सीख जाते हैं। खिलौने साझा करना, रिमोट के लिए झगड़ना और फिर खुद ही मान जाना उनकी आदत बन जाती है। बड़े भाई-बहन खेल-खेल में छोटे बच्चों की देखभाल जैसे- डायपर बदलना, सुलाना और संभालना सीखते हैं। यही माहौल उन्हें बचपन से जिम्मेदार, धैर्यवान और दूसरों की परवाह करने वाला इंसान बना देता है। बच्चों का आपसी प्यार थेरेपी से असरदार:- एकल बच्चों में तनाव, एंग्जायटी और डिप्रेशन बढ़ रहा है। इसके लिए स्मार्टफोन व सोशल मीडिया को दोष देते हैं, पर असल वजह उनके 'कमरों का सन्नाटा' है। लॉस एंजेलिस की महिला बताती हैं कि उनका बेटा तनाव से जूझ रहा था, दवाइयां असर नहीं कर रही थीं। छोटी बहन के जन्म के बाद, उसे गोद में लेने से ही उसकी एंग्जायटी खत्म हो गई।' एक्सपर्ट कहते हैं,'छोटे बच्चे का बिना शर्त प्यार कई बार थेरेपी से ज्यादा मददगार व असरदार होता है।' बच्चे ही एक-दूसरे को बेहतर तरीके से गढ़ते हैं: एक्सपर्ट डॉ. कैथरीन कहती हैं,'आजकल पैरेंट्स बच्चों को सामाजिक बनाने के लिए समर कैंप, स्पोर्ट्स क्लब व एक्टिविटी पर लाखों खर्च करते हैं, जबकि यह सब कुछ भरा-पूरा परिवार बच्चों को घर में ही मुफ्त सिखा देता था। बचपन के शुरुआती 2-3 साल मुश्किल जरूर होते हैं, पर जीवनभर संबल देने वाला भाई-बहन का रिश्ता अमूल्य है। पैरेंट्स कितने भी संसाधन जुटा लें, वे भाई-बहन की कमी पूरी नहीं कर सकते। बड़े परिवारों में बच्चों को संस्कार व व्यावहारिक सीख सहज रूप से मिलते हैं, जैसे बगीचे में पेड़-पौधे एक-दूसरे की छांव में बढ़ते हैं। शुरुआती कठिन वर्षों से घबराएं नहीं, क्योंकि बच्चे ही एक-दूसरे को सबसे बेहतर तरीके से गढ़ते हैं।

दिखावे के दौर में पैसे बचाना सबसे बड़ा हुनर

आने वाली 28 अगस्त को मेरे परिवार में एक शादी है। वेन्यू है चेन्नई से 300 किमी दूर कुंभकोणम। सभी रिश्तेदारों को दो महीने पहले ही बता दिया गया है। ताकि वे समय रहते ट्रेन टिकट सुरक्षित कर सकें। लेकिन बात तब बिगड़ने लगी जब लंबा समय और बजट का गणित आपस में टकराने लगा। मुंबई से वहां तक की ट्रेन यात्रा 35 घंटे की है। बुजुर्गों के लिए इतनी लंबी यात्रा किसी जद्दोजहद से कम नहीं है। लिहाजा, ज्यादातर ने नजदीकी एयरपोर्ट तिरुचिरापल्ली के लिए फ्लाइट लेने का मन बनाया। लेकिन असली ड्रामा तब शुरू हुआ जब फैमिली वॉट्सएप ग्रुप पर शादी का कार्ड आया। कार्ड आते ही बधाई संदेशों की जगह ग्रुप पर इस बात की माथापच्ची होने लगी कि मुंबई से तिरुचिरापल्ली का टिकट 16,000 का है। अब जरा मेहमान का पूरा खर्च समझिए- सोलह हजार की फ्लाइट, एयरपोर्ट से वेन्यू तक 2,500 की टैक्सी, किसी बजट होटल में दो दिन रुकने का चार हजार और दो हजार के अन्य फुटकर खर्चे। इस सब के ऊपर से शगुन अलग। नतीजा यह हुआ कि इन खर्चों ने शादी की खुशियों को दबा दिया। ग्रुप पर ज्यादातर रिश्तेदारों ने अब तक आने की हामी नहीं भरी है। आज के दौर में मिडिल क्लास के लिए शादी अटेंड करने का औसत खर्च इतना बढ़ चुका है कि यह उन्हें शिरकत करने से रोक रहा है। देखा जाए तो हमारे भारतीय समाज में शादियां सामाजिक दायित्व की सबसे बड़ी करेंसी बन चुकी हैं। अगर आप परिवार की किसी शादी में नहीं जाते, तो आप बुजुर्गों के उस 'सोशल बॉयकॉट' का रिस्क ले रहे होते हैं जो छह-छह महीने आपसे बात नहीं करते। हमारे रिश्तेदारों के दिमाग में एक बहीखाता चलता है, जिसमें किसने किसकी शादी में हाजिरी लगाई और किसने कितना शगुन दिया, इसका पूरा हिसाब दशकों तक रखा जाता है। आज दिक्कत यह है कि मेजबान इंस्टाग्राम पर परफेक्ट दिखने वाली 'फेयरीटेल वेडिंग' के पीछे भाग रहे हैं, लेकिन कीमत मेहमानों को चुकानी पड़ रही है। बदनामी के इसी डर से कई बुजुर्ग शरीर को कष्ट देकर थकाऊ रास्तों से सफर करने को मजबूर हैं ताकि वे गॉसिप का विषय न बनें। मैनेजमेंट टिप: मोगरे के फूलों की खुशबू, सोशल मीडिया की तस्वीरों का हिस्सा बनने के लिए बजट न बिगाड़ें। दिखावे के दौर में अपनी जेब और मानसिक शांति को बचाना सबसे बड़ा एसेट मैनेजमेंट है। शादी में खुद जाने के बजाय उपयोगी उपहार भेज दें, जो नए जोड़े के काम आए, आपके स्वाभिमान को सुरक्षित रखे। एन. रघुरामन

हत्या के आरोपी ने 22 साल जेल काटी, सुप्रीम कोर्ट बोला- यह व्यवस्था का फेल्योर, ट्रायल कोर्ट ने सबूत नहीं जांचें, हाईकोर्ट चुप रहा

नई दिल्ली/नबरंगपुर। सुप्रीम कोर्ट ने हत्या के आरोप में 22 साल जेल में रहे ओडिशा के अर्जुन जानी नाम के शख्स को बरी कर दिया। मंगलवार को जारी फैसले में कोर्ट ने इसे न्याय व्यवस्था की विफलता बताया। कोर्ट ने कहा, ट्रायल कोर्ट ने सबूतों की सही ढंग से जांच नहीं की। हाईकोर्ट मूकदर्शक रहा। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस के विनोद चंद्रन की बेंच ने ओडिशा हाईकोर्ट का फैसला और अर्जुन जानी का कन्विक्शन (दोषसिद्धि) रद्द कर दी। कोर्ट ने जेल से दायर अपील में 3157 दिन (8 साल 8 महीने) की देरी को माफ नहीं करने से जुड़े हाईकोर्ट के आदेश पर नाराजगी जताई।

तब अर्जुन 12 साल से जेल में थे। सुप्रीम कोर्ट तक केस पहुंचा, लेकिन तब तक 22 साल हो गए- अर्जुन का केस सुप्रीम कोर्ट में पहुंचने तक कैद 22 साल हो गई थी। बेंच ने कहा- 'हाशिए पर रहने वालों, खासकर जेल में बंद दोषियों के लिए न्याय तक पहुंच आज भी आसान नहीं है। जेल से दायर होने वाली अपीलों में सक्रिय नजरिया अपनाकर देरी को माफ करें। ये अपील किसी की आजादी से जुड़ी होती हैं, जो सबसे मूल्यवान मौलिक अधिकार है।' सुप्रीम कोर्ट ने जांच की कमियां गिनाईं-जांच में भी गंभीर खामियां मिलीं। जांच अधिकारी ने मौके का नक्शा नहीं बनाया। यह नहीं बताया कि पुलिस आरोपी तक कैसे पहुंची। गिरफ्तारी के बाद का कबूलनामा कानूनन मंजूर नहीं था। पुलिस ने आरोपी को थर्ड डिग्री टॉर्चर देकर कबूलनामा कराया था। हत्या में इस्तेमाल पत्थरों-ईंट पर खून नहीं दिखा, न फॉरेंसिक जांच में कोई निशान मिला। पुलिस का दावा था- ये चीजें झाड़ियों से बरामद हुईं, जबकि गवाहों ने कहा कि वे शवों के पास पड़ी थीं।जानी पर 3 महिलाओं की हत्या का आरोप था-जानी पर तीन महिलाओं की हत्या का मुकदमा चला था। उसे एक हत्या का दोषी ठहराया गया था। यह चश्मदीद की गवाही के बाद हुआ। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अकेले चश्मदीद की गवाही पर सजा दे सकते हैं, लेकिन तभी जब वह भरोसेमंद हो और दूसरे हालात से मेल खाती हो। इस मामले में गवाही गंभीर विरोधाभासों से भरी और बेहद अविश्वसनीय थी। 22 साल बाद गांव लौटे, न घर बचा, न अपना कहने वाला-45 साल के अर्जुन जानी को गांव वाले टुनटुन कहते थे। सुप्रीम कोर्ट से मई में जमानत मिली थी। कुछ दिन पहले ही अपने गांव हिरलीडांगरी लौटे थे। जेल से भले छूट गए हों, लेकिन सजा जैसे अब भी भुगत रहे हैं। गांव में घर नहीं बचा। जिस झोपड़ी को घर कहते थे, आज वहां सिर्फ झाड़ियां हैं। लोग पहचानते तो हैं, पर ऐसा कोई नहीं, जिसे अपना कह सकें। मां का निधन काफी पहले हो चुका है। परिवार में न भाई-बहन हैं, न शादी हो पाई। गांव में कोई ठिकाना नहीं है। लोग बताते हैं- अर्जुन कभी नदी किनारे बैठे दिखते हैं, तो कभी जंगल की ओर जाते दिखते हैं। फिर कई दिनों तक उनका पता ही नहीं चलता। ऐसा लगता है, जैसे उन्हें खुद समझ नहीं आ रहा कि कहां जाऊं? नई शुरुआत कैसे करूं? हिरलीडांगरी के भाटीशालगुड़ा के काउंसलर अमित प्रधान के अनुसार, आसपास के गांव के लोगों ने बताया कि वह पांच दिन पहले लौटे हैं। लेकिन कभी गांव में रहते हैं तो कभी कहीं और चले जाते हैं।

बॉम्बे हाईकोर्ट बोला- गडकरी से जुड़ी आपत्तिजनक पोस्ट फौरन हटाएं,सोशल मीडिया को आदेश, अदालत ने पोस्ट करने वाले यूजर्स की जानकारी भी मांगी

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म मेटा और एक्स को केंद्रीय

मंत्री नितिन गडकरी के खिलाफ आपत्तिजनक कंटेंट फौरन हटाने का आदेश दिया। साथ ही पोस्ट करने वाले यूजर्स की जानकारी भी मांगी। हाईकोर्ट ने इन कंपनियों से कहा, 'भविष्य में भी अगर मंत्री की ओर से ऐसा कोई कंटेंट ध्यान में लाया जाता है, तो उसे भी हटाया जाएगा।' गडकरी ने 27 जुलाई को हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की थी। इसमें आरोप लगाया गया था कि सोशल मीडिया पर उन्हें और उनके परिवार को ई-20 इथेनॉल ब्लेंडिंग प्रोग्राम से होने वाले कथित मुनाफे से जोड़ा जा रहा है। याचिका में कहा गया, 'लोग उनके खिलाफ आपत्तिजनक कमेंट्स और मीम बना रहे हैं। इससे उनकी इमेज खराब हो रही है।' सुनवाई के दौरान मेटा (फेसबुक और इंस्टाग्राम) और एक्स कॉर्प (पूर्व में ट्विटर) के वकील कोर्ट में मौजूद रहे। बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा- ऐसे मामलों के लिए सिस्टम बनाना चाहिए-जस्टिस आरिफ डॉक्टर की सिंगल बेंच ने कहा, मेटा और गूगल फौरन इन पोस्ट को हटाने पर काम करे। यह भी पूछा कि क्या उनके पास ऐसा कोई सिस्टम है, जिससे बिना कोर्ट गए ऐसी पोस्ट को हटाया जा सके। प्लेटफॉर्म को ऐसी पोस्ट खुद ही हटा देनी चाहिए। जस्टिस डॉक्टर ने कहा, 'आपके पास इतनी टेक्नोलॉजी है, तो क्या आपके पास कोई ऐसा सिस्टम नहीं है, जो ऐसे मामलों को पकड़ सके। अगर कोई अश्लील या अपमानजनक चीज डालता है, तो उसे तुरंत हटा दिया जाना चाहिए। यह बहुत ही घटिया बात है।' हाईकोर्ट ने गडकरी को मेटा और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के साथ-साथ उन अज्ञात लोगों के खिलाफ भी सिविल मुकदमा दायर करने की अनुमति दी है, जो उनके और उनके परिवार के खिलाफ गलत जानकारी फैला रहे हैं। सोशल मीडिया पर दावे किए जा रहे हैं कि पेट्रोल में इथेनॉल मिलाने से गाड़ियों के इंजन और कई पार्ट्स को नुकसान पहुंच रहा है। ई20 से क्यों जोड़ा जा रहा है गडकरी का नाम? ई20 पेट्रोल में गडकरी का नाम इसलिए जोड़ा जा रहा है, क्योंकि वह लंबे समय से देश में वैकल्पिक ऊर्जा और एथेनॉल प्रोडक्शन की बात करते आ रहे हैं। वे अपने कई बयानों में कृषि उत्पादों से बनने वाले एथेनॉल और फ्लेक्स-फ्यूल वाहनों की वकालत कर चुके हैं, ताकि महंगे कच्चे तेल का आयात कम हो सके। इसी के चलते सोशल मीडिया और इंटरनेट पर कैंपेन चलाया गया, जिनमें दावा किया गया कि गडकरी और उनका परिवार एथेनॉल और ई20 नीति से हजारों करोड़ रुपए का मुनाफा कमा रहा है।

> अदालत ने भविष्य में भी ऐसे कंटेंट अपलोड करने पर सोशल मीडिया प्लेटफार्म के खिलाफ अदालत जाने की आजादी दी है।
> **संदीप एस लड्ढा**
> गडकरी के वकील

झारखंड में प्रदर्शन कर रहे छात्र सरकार से बातचीत को तैयार,शर्त रखी- मुख्यमंत्री मीडिया के सामने बात करें

रांची। झारखंड में पीएससी समेत अन्य भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ी का विरोध कर रहे छात्रों को सरकार ने बातचीत का प्रस्ताव दिया है। छात्र इसके लिए तैयार हो गए लेकिन उन्होंने एक शर्त भी रख दी है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन खुद बात करें और इस दौरान कम से कम दो मीडिया प्रतिनिधि मौजूद रहें। जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में धरना दे रहे छात्र नेता रविंद्र पासवान ने कहा कि बुधवार को सरकार का प्रस्ताव लेकर आए एसडीओ ने छात्र प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों के नाम मांगे हैं। इसके बाद बैठक की तारीख और समय तय होगा। सीएम हेमंत सोरेन ने बातचीत के लिए चार मंत्रियों की कमेटी बनाई है। छात्रों का यह भी आरोप है कि सरकार सिर्फ 5 सदस्यीय टीम बुलाकर आंदोलन को कमजोर करना चाहती है। देवेंद्र नाथ महतो समेत 6 छात्र अनशन पर हैं। वे मामले में सीबीआई-ईडी जांच की मांग कर रहे हैं। बुधवार रात सीआईडी ने रांची और लखनऊ में छापेमारी कर परीक्षा संचालन करने वाली आउटसोर्स एजेंसी टीएसआर डेटा प्रोसेसिंग प्राइवेट लिमिटेड (टीडीपीएल) के अकाउंटेंट रक्षक सिंह समेत पांच

और आरोपियों को गिरफ्तार किया। अब तक 19 लोगों की पकड़े जा चुके हैं। छात्र क्यों कर रहे हैं आंदोलन-2 जुलाई को झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) ने 14वीं संयुक्त सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा का रिजल्ट जारी किया था। इसमें 2,204 उम्मीदवार मुख्य परीक्षा के लिए चुने गए। इसके बाद 18 से 20 जुलाई के बीच मेंस परीक्षा होनी थी। रिजल्ट आने के बाद कई उम्मीदवारों ने गड़बड़ी के आरोप लगाए। उनका कहना था कि कट-ऑफ जारी नहीं की गई। इसी दौरान सोशल मीडिया पर एक उम्मीदवार की कथित ओएमआर शीट वायरल हुई। दावा किया गया कि उसने सिर्फ 48 सवाल हल किए, फिर भी वह मेंस के लिए चुन लिया गया। वहीं, रिजल्ट पर आयोग के अधिकारियों के हस्ताक्षर नहीं होने को लेकर भी सवाल उठे। विवाद बढ़ने के बाद जेपीएससी ने मेंस परीक्षा रद्द कर दी। छात्र आंदोलन से जुड़े कल के बड़े अपडेट्स-मुख्यमंत्री की वार्ता का संदेश लेकर एसडीओ कुमार रजत और एडीएम धनंजय कुमार बुधवार दोपहर करीब 3:30 बजे जयपाल सिंह स्टेडियम पहुंचे। उन्होंने छात्रों को सीएम का संदेश दिया। सीएम ने छात्रों से बातचीत के लिए चार मंत्रियों की कमेटी बनाई। इसमें उच्च शिक्षा मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू, ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह, कल्याण मंत्री चमरा लिंडा और उद्योग मंत्री संजय प्रसाद यादव को शामिल किया गया है। सीएम ने बुधवार दोपहर अपने आवास पर इन मंत्रियों के साथ बैठक की। इसमें छात्रों से बातचीत पर चर्चा हुई। इसके बाद छात्र नेताओं को बातचीत का बुलावा भेजा गया। लेकिन वार्ता पर सहमति नहीं बन सकी। छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो ने 2 अगस्त से अन्न-जल छोड़ रखा था। सोनम वांगचुक ने देवेंद्र से वीडियो कॉल पर बात की। उनकी अपील पर देवेंद्र नाथ महतो ने पानी पिया, लेकिन कहा कि उनका अनशन जारी रहेगा।

पति के मौत वाले मुआवजे के लिए शादी कर रही महिलाएं,घायल सैनिकों से मैरिज के मामले बढ़े

आरोप है कि कुछ महिलाएं इसी पैसे के लालच में अकेले, बुजुर्ग या कमजोर सैनिकों को

शादी के लिए फंसाती हैं। सैनिक की मौत के बाद पूरा मुआवजा पत्नी को मिल जाता है। परिवार के बाकी लोगों को कुछ भी नहीं मिल पाता। सरकार ने जल्दी शादी को बढ़ावा दिया, इसके बाद स्कैम बढ़ा-फरवरी 2022 में यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद रूस ने सेना में भर्ती होने वाले लोगों के लिए शादी के नियम आसान कर दिए। आमतौर पर रूस में शादी के लिए आवेदन देने के बाद कुछ समय इंतजार करना पड़ता है, लेकिन युद्ध के दौरान इस प्रक्रिया में छूट दे दी गई। नए सैनिक चाहें तो भर्ती के तुरंत बाद शादी कर सकते थे। सरकार का मानना था कि इससे सैनिकों को परिवार का सहारा मिलेगा और अगर युद्ध में उनकी मौत हो जाती है, तो पत्नी और परिवार को सरकारी आर्थिक मदद आसानी से मिल सकेगी। 'सैनिक से शादी करो, फ्लैट खरीद लो'-पिछले साल साइबेरिया के टॉम्स्क शहर के एक पॉडकास्ट में रूसी वकील और रियल स्टेट एजेंट मरीना ओरलोवा का बयान बहुत वायरल हुआ था। उन्होंने कहा था, 'अगर फ्लैट खरीदना है तो किसी ऐसे सैनिक से शादी कर लो जो युद्ध पर जा रहा हो। उसकी मौत के बाद मिलने वाले पैसे से घर खरीद लेना। आजकल कई महिलाएं इसी तरह सस्ते फ्लैट खरीद रही हैं। यह एक बहुत अच्छा बिजनेस है।' इसके बाद एजेंट और पॉडकास्ट की होस्ट के खिलाफ मुकदमा चला। दोनों को सामुदायिक सेवा की सजा दी गई और सैनिकों व उनके परिवारों से सार्वजनिक माफी मांगनी पड़ी। तलाक से पहले सैनिक की मौत, पत्नी को मुआवजा नहीं मिला-रूसी सैनिक जॉर्जी कोस्तिरको छुट्टी पर जब घर आए तो उसी दौरान उनकी मुलाकात एंजेलिना वार्यूखिना से हुई थी।मॉस्को। दोनों ने मुलाकात के महज 10 दिन बाद शादी कर ली। शादी के कुछ ही समय बाद जॉर्जी फिर से यूक्रेन युद्ध के मोर्चे पर लौट गए। जॉर्जी की मां ने आरोप लगाया कि शादी के कुछ समय बाद एंजेलिना सोशल मीडिया पर दूसरे पुरुषों के साथ तस्वीरें और वीडियो पोस्ट करने लगी थीं। इससे दोनों के रिश्ते बिगड़ गए और जॉर्जी ने तलाक की प्रक्रिया शुरू कर दी। हालांकि, एंजेलिना ने इन आरोपों से इनकार किया। उनका कहना था कि दोनों के बीच बाद में सुलह हो गई थी और सोशल मीडिया पर डाली गई तस्वीरें सिर्फ जॉर्जी को जलाने के लिए थीं। तलाक की कानूनी प्रक्रिया पूरी होने से पहले ही यूक्रेनी हमले में जॉर्जी की मौत हो गई। रूसी कानून के मुताबिक, उस समय एंजेलिना उनकी कानूनी पत्नी थीं, इसलिए सरकारी मुआवजा पाने का अधिकार उन्हें मिल गया। इस पर जॉर्जी के परिवार ने अदालत का दरवाजा खटखटाया। लंबी कानूनी लड़ाई के बाद अदालत ने एंजेलिना को सबसे करीबी कानूनी रिश्तेदार का दर्जा रद्द कर दिया। इस फैसले के बाद उन्हें मुआवजे का अधिकार नहीं मिला। यह मामला पूरे रूस में चर्चा का विषय बना और इसके बाद सैनिकों की मौत के मुआवजे के लिए की जा रही संदिग्ध शादियों पर बहस तेज हो गई। सेना के अधिकारियों पर भी लगे गंभीर आरोप-कुछ

मरीना ओरलोव ने पॉडकास्ट में यहां तक कहा कि जिन महिलाओं के सैनिक पति युद्ध में मारे गए हैं, उन्हें दोबारा किसी सैनिक से शादी कर लेनी चाहिए, ताकि दोबारा मुआवजा मिलने के चांसेस बने रहें

मामलों में आरोप सिर्फ महिलाओं तक सीमित नहीं रहे। रूस के प्रिमोर्स्की क्षेत्र में जांच एजेंसियों ने एक वारंट ऑफिसर, एक सार्जेंट और सेना के एक अकाउंटेंट पर भी जांच शुरू की। आरोप है कि ये लोग अनाथों और ऐसे पुरुषों को ढूंढते थे जिनका कोई करीबी रिश्तेदार नहीं था। उनकी जल्दबाजी में शादी कराई जाती थी और फिर उन्हें युद्ध के सबसे खतरनाक मोर्चों पर भेजा जाता था। अगर उनकी मौत हो जाती, तो मुआवजे की रकम आपस में बांट ली जाती। सांसद बोले- परिवारों को बचाइए- रूसी सांसद लियोनिद स्लुत्स्की ने कहा कि अब सैनिकों के परिवारों को ऐसे लोगों से बचाने की जरूरत है, जो शादी और मुआवजे के नाम पर ठगी कर रहे हैं। ऐसे मामले लगातार बढ़ रहे हैं, इसलिए सरकार को जल्द सख्त कानून बनाकर कार्रवाई करनी चाहिए। यूक्रेन युद्ध लंबा खिंचने के साथ रूस में आर्थिक मुश्किलें बढ़ रही हैं। बड़ी संख्या में सैनिकों की मौत हो रही है और लोगों में नाराजगी भी बढ़ रही है। ऐसे माहौल में सैनिकों के मुआवजे के लिए फर्जी शादी कराने के मामले भी तेजी से सामने आ रहे हैं। यही वजह है कि यह मुद्दा अब पूरे रूस में चर्चा का विषय बन गया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प की सुरक्षा में चूक, हेलिकॉप्टर के पास से उड़ी कमर्शियल फ्लाइट

वॉशिंगटन डीसी।लेकिन रेडियो पर संदेश साफ नहीं सुनाई दिया। कंट्रोलर की ओर से भी कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिला। इसके बाद मरीन वन ने तय कार्यक्रम के मुताबिक उड़ान भर ली। कुछ देर बाद कंट्रोलर ने हेलिकॉप्टर को पास में उड़ान भर चुके यात्री विमान की जानकारी दी। पायलट ने बताया कि उसे दूसरा विमान दिखाई दे रहा है। इसके बाद हेलिकॉप्टर ने थोड़ी देर रुककर आगे उड़ान जारी रखी। नियम क्या कहते हैं? एफएए के नियम के मुताबिक, ऐसे हालात में दो विमानों के बीच कम से कम 2.4 किलोमीटर की दूरी या ऊंचाई में 500 फीट का अंतर होना जरूरी है। इस मामले में दोनों विमानों की ऊंचाई का अंतर तय सीमा से ज्यादा था, लेकिन उनके बीच की दूरी घटकर करीब 1.3 किलोमीटर रह गई। इसी वजह से एफएए ने इसे 'लॉस ऑफ सेफ सेपरेशन' यानी तय सुरक्षा दूरी का उल्लंघन माना है। मरीन वन कितना सुरक्षित है? अमेरिकी राष्ट्रपति का आधिकारिक हेलिकॉप्टर है। राष्ट्रपति इसमें सवार होते ही इसका कॉल साइन 'मरीन वन' हो जाता है। दुनिया के सबसे सुरक्षित वीआईपी हेलिकॉप्टरों में इसकी गिनती होती है। इसे अमेरिकी मरीन कॉर्प्स के सबसे अनुभवी पायलट उड़ाते हैं, जिन्हें हाई-रिस्क

मिशनों की खास ट्रेनिंग दी जाती है। उड़ान से पहले रूट, मौसम और एयरस्पेस की पूरी सुरक्षा जांच की जाती है। सुरक्षा के लिए एक साथ कई एक जैसे हेलिकॉप्टर उड़ते हैं, ताकि राष्ट्रपति किस हेलिकॉप्टर में हैं, यह पता न चल सके। 67 मौतों के बाद बने नियम का नहीं हुआ पालन-29 जनवरी 2025 को रीगन वॉशिंगटन नेशनल एयरपोर्ट के पास अमेरिकन एयरलाइंस के यात्री विमान और अमेरिकी सेना के ब्लैक हॉक हेलिकॉप्टर की हवा में टक्कर हो गई थी। इस हादसे में 67 लोगों की जान गई थी। इसके बाद एफएए ने सुरक्षा नियम और सख्त कर दिए। तय किया गया कि जब भी राष्ट्रपति या सेना का हेलिकॉप्टर कम ऊंचाई पर उड़ान भरेगा, तब तक आसपास से कोई कमर्शियल विमान टेकऑफ या लैंडिंग नहीं करेगा। एयर ट्रैफिक कंट्रोल को भी पहले यह सुनिश्चित करना होगा कि पूरा एयरस्पेस खाली और सुरक्षित है, तभी दूसरी उड़ानों को मंजूरी दी जाएगी। एटीसी कैसे काम करता है, इसके प्रोटोकॉल क्या हैं-हवाई जहाजों की सुरक्षित आवाजाही की पूरी जिम्मेदारी एयर ट्रैफिक कंट्रोल की होती है। कंट्रोलर रडार और रेडियो के जरिए हर विमान की ऊंचाई, रफ्तार और दिशा पर नजर रखते हैं और पायलटों को लगातार निर्देश देते हैं, ताकि दो विमान कभी भी एक-दूसरे के करीब न आ जाएं। सुरक्षित दूरी टूटना सबसे बड़ा खतरा-आसमान में विमानों के बीच तय सुरक्षित दूरी को 'सेफ सेपरेशन' कहा जाता है। अगर यह दूरी कम हो जाए, तो हवा में टक्कर का खतरा पैदा हो सकता है। इसलिए एटीसी की छोटी-सी चूक भी बड़े हादसे की वजह बन सकती है। वीआईपी उड़ानों में नियम और सख्त-किसी प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति या सैन्य विमान की उड़ान के दौरान एटीसी का अलर्ट और बढ़ जाता है। ऐसे समय संबंधित एयरस्पेस को खाली रखा जाता है, दूसरे विमानों का रूट बदला या उन्हें रोका जाता है। अगर इन सुरक्षा नियमों का पालन नहीं होता और विमानों के बीच सुरक्षित दूरी खत्म हो जाती है, तो इसे 'लॉस ऑफ सेफ सेपरेशन' माना जाता है। विमानन क्षेत्र में इसे बेहद गंभीर सुरक्षा चूक माना जाता है।

फिरोज गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (FGIET), रायबरेली के पूर्व छात्र ने यूरोप की सबसे ऊँची चोटी पर लहराया सफलता का परचम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। फिरोज गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (FGIET), रायबरेली के इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग (ECE) विभाग के 2018-2022 बैच के पूर्व छात्र अस्तित्व साहू ने यूरोप की सबसे ऊँची पर्वत चोटी माउंट एल्ब्रुस (5,642 मीटर) पर साहसिक अभियान के माध्यम से उल्लेखनीय उपलब्धि अर्जित कर संस्थान एवं जनपद का नाम गौरवान्वित किया है। संस्थान की वेबसाइट के अनुसार FGIET प्रदेश के प्रमुख तकनीकी संस्थानों में से एक है। अस्तित्व साहू ने कठिन पर्वतीय परिस्थितियों का सामना करते हुए माउंट एल्ब्रुस अभियान में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। उनकी इस उपलब्धि की विभिन्न समाचार माध्यमों एवं सोशल मीडिया पर व्यापक सराहना हो रही है। यह सफलता संस्थान के वर्तमान

विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगी। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर FGIET के शैक्षणिक निदेशक डॉ. मनीष सक्सेना ने अस्तित्व साहू को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि 'हमारे पूर्व छात्र की यह उपलब्धि यह सिद्ध करती है कि FGIET के विद्यार्थी शिक्षा के साथ-साथ जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की क्षमता रखते हैं। हमें उनके उज्ज्वल भविष्य पर पूर्ण विश्वास है।' रजिस्ट्रार डॉ. अमित पोरवाल ने भी अस्तित्व साहू को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि उनकी सफलता संस्थान के विद्यार्थियों में साहस, अनुशासन एवं उत्कृष्टता की भावना को और अधिक सुदृढ़ करेगी। मीडिया प्रभारी एवं खेल अधिकारी प्रो प्रवेश नारायण सिंह ने बताया कि फिरोज गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (FGIET) रायबरेली संस्थान परिवार अपने इस होनहार पूर्व छात्र की उपलब्धि पर गर्व महसूस करता है तथा उनके उज्ज्वल एवं सफल भविष्य की कामना करता है।

कांग्रेस का जंतर-मंतर प्रदर्शन पर लोकसभा में स्थगन प्रस्ताव,पुलिस कार्रवाई पर जवाब मांगा,लोकसभा में विपक्ष का हंगामा, 12 बजे तक स्थगित

नयी दिल्ली। संसद के मानसून सत्र का शुक्रवार को 15वां दिन है। विपक्षी सांसदों ने आज भी संसद परिसर में तेज बारिश के बीच राम मंदिर चढ़ावा चोरी और जंतर-मंतर प्रदर्शन में छात्रों पर लाठीचार्ज को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस ने शुक्रवार को लोकसभा में स्थगन प्रस्ताव देकर छात्रों पर पुलिस कार्रवाई को लेकर चर्चा की मांग की है। सांसद मणिकम टैगोर ने गृह मंत्री अमित शाह से पूरे मामले पर बयान देने और न्यायिक जांच कराने की मांग की। वहीं, लोकसभा की कार्यवाही 11 बजे शुरू हुई लेकिन विपक्ष के हंगामे के कारण 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। लोकसभा में आज विदेशी चंदे से जुड़ा फॉरेन कॉन्ट्रिब्यूशन (रेगुलेशन) संशोधन बिल यानी एफसीआरए 2026 पेश हो सकता है। 20 जुलाई से शुरू हुए मानसून सत्र में अब तक

लोकसभा का प्रश्नकाल ठीक से नहीं चल पाया है। हंगामे के बीच पांच विधेयक बिना चर्चा के पास हो चुके हैं। एफसीआरए कानून बताता है कि भारत में कौन-से एनजीओ , ट्रस्ट, धार्मिक या सामाजिक संगठन विदेश से पैसा (डोनेशन) ले सकते हैं और उसका इस्तेमाल कैसे करेंगे। इसका मकसद है कि विदेशी धन का उपयोग राष्ट्रीय सुरक्षा या सार्वजनिक हित के खिलाफ न हो। मानसून सत्र के तीसरे हफ्ते की कार्यवाही-3 अगस्तः राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मुद्दे पर लोकसभा में विपक्षी सदस्यों ने हंगामा किया। लोकसभा ने सुप्रीम कोर्ट के जजों की संख्या (सीजेआई सहित) 34 से बढ़ाकर 38 करने संबंधी बिल बिना चर्चा के पास कर दिया।

4 अगस्तः राज्यसभा में नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू के बीच बहस हुई। खड़गे ने कहा- राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का गठन केंद्र सरकार ने किया था। सरकार को चढ़ावा चोरी मामले पर सदन में जवाब देना चाहिए।

5 अगस्तः संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के साथ 50 मिनट बैठक की। सरकार लोकसभा सीटें 816 करने और 33फीसदी महिला आरक्षण लागू करने से जुड़ा संविधान (131वां संशोधन) विधेयक पास कराना चाहती है। 6 अगस्तः दिल्ली में छात्रों पर हुई लाठीचार्ज मामले में अमित शाह के बयान की मांग को लेकर राज्यसभा में खड़गे और रिजिजू के बीच तीखी बहस हुई।खड़गे ने सभापति से गृहमंत्री को सदन में बुलाने के लिए आदेश देने की अपील की।

मानसून सत्र के दूसरे हफ्ते की कार्यवाही-27 जुलाईः लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने 'पब्लिक एग्जामिनेशन (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन बिल, 2026' को लेकर विपक्षी पार्टियों के नेताओं से बातचीत की।

कहानी धुरंदर की, यु ही नहीं बन गए रणवीर सिंह, काम मांगने पर प्रोड्यूसर ने कुत्ता छोड़ा,कभी अमेरिका में वेटर भी हुआ करते थे, आज हैं भारत के सबसे महंगे एक्टर

मुंबई। जब रणवीर सिंह ने एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा, तो उसे शुरुआत में कई रिजेक्शन झेलने पड़े। कास्टिंग काउच जैसे

रणवीर सिंह ने 2021 की फिल्म '83' में पूर्व कप्तान कपिल देव की भूमिका निभाई थी।

कड़वे अनुभवों का भी सामना करना पड़ा। यहां तक कि एक दिन जब वह काम की तलाश में अपना पोर्टफोलियो लेकर एक प्रोड्यूसर के घर पहुंचा, तो प्रोड्यूसर ने उसके पीछे कुत्ता छोड़ दिया। वही लड़का आज बॉलीवुड के सबसे बड़े सुपरस्टार्स में से एक है। उसने अपने करियर में 'धुरंधर', 'धुरंधर 2', 'पद्मावत' और 'बाजीराव मस्तानी' जैसी कई सुपरहिट फिल्में दीं। जी हां, हम बात कर रहे हैं रणवीर सिंह की और आज उनके बर्थडे के खास मौके पर आइए, उनकी जिंदगी को करीब से जानते हैं किस्सा-1-क्रिकेटर बनना चाहते थे; अमरनाथ ने कर दिया था रिजेक्ट-सातवीं क्लास में रणवीर ने एक स्कूल मैच में सिर्फ 46 गेंदों पर 71 रन बना दिए। इस शानदार पारी के बाद उन्होंने क्रिकेटर बनने का फैसला किया। अपने दोस्तों के साथ उन्होंने पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहिंदर अमरनाथ की क्रिकेट अकादमी में ट्रायल देने का मन बनाया। रणवीर ने साल 2017 में फिल्म '83' के एक इवेंट में यह किस्सा सुनाया था। उन्होंने कहा, 'मेरे दोस्त क्रिकेट को लेकर काफी सीरियस थे और समय पर पहुंच गए, लेकिन मैं देर से पहुंचा। अमरनाथ सर पिच के पास खड़े थे। उन्होंने मुझे देर से आने और मेरा खेल देखने के बाद रिजेक्ट कर दिया। उस दिन उन्होंने मुझे रिजेक्ट करके बिल्कुल सही फैसला किया, वरना आज मैं यहां एक एक्टर के रूप में नहीं बैठा होता।'किस्सा-2-दादी ने एक्टर बनने का सपना दिखाया थाः- रणवीर की दादी चांद बर्क 1950 और 1960 के दशक की मशहूर एक्ट्रेस थीं। उन्होंने राज कपूर की फिल्म 'बूट पॉलिश' से हिंदी सिनेमा में अपनी पहचान बनाई और नरगिस, राज कपूर समेत कई बड़े सितारों के साथ काम किया। वह 'बसंत बहार', 'सोहनी महिवाल', 'लाजवंती', 'अदालत' और 'दुश्मन' जैसी फिल्मों में भी नजर आईं। सिमी ग्रेवाल को दिए एक इंटरव्यू में रणवीर ने बताया था कि उनके अंदर एक्टर बनने का कीड़ा सबसे पहले उनकी दादी ने ही डाला था। किस्सा-3-शाहरुख की फिल्म के गाने की वजह से सस्पेंड हुए थे-साल 1998 में फिल्म 'दिल से' रिलीज हुई थी और उसका सुपरहिट गाना 'छैंया-छैंया' हर किसी की जुबान पर था। उस समय रणवीर करीब 13 साल के थे और स्कूल में पढ़ते थे। शाहरुख के जबरदस्त फैन रहे रणवीर पर इस गाने का ऐसा जादू चला कि वह खुद को इसे सुनने से रोक नहीं पाए। एक दिन रणवीर क्लासरूम में चुपके से वॉकमैन पर गाना 'छैंया-छैंया' सुन रहे थे और पूरी तरह गाने में खोए हुए थे, लेकिन उनकी यह हरकत ज्यादा देर तक छिप नहीं सकी और उनकी टीचर ने उन्हें रंगे हाथों पकड़ लिया। क्लास में पढ़ाई के दौरान गाना सुनना स्कूल के नियमों के खिलाफ था। अनुशासन तोड़ने पर स्कूल प्रशासन ने सख्त कदम उठाया और रणवीर को कुछ दिनों के लिए सस्पेंड कर दिया। किस्सा-4-प्रोड्यूसर ने रणवीर के पीछे कुत्ता छोड़ दिया थाः- आज रणवीर सिंह सुपरस्टार हैं, लेकिन संघर्ष के दिनों में उन्हें कई कड़वे अनुभवों से भी गुजरना पड़ा। 19वें मारावेंश फिल्म फेस्टिवल में उन्होंने एक ऐसा ही किस्सा शेयर किया था। रणवीर ने बताया था कि एक बार वह काम की तलाश में अपना पोर्टफोलियो लेकर एक प्रोड्यूसर से मिलने उनके घर पहुंचे थे। वह बरामदे में बैठकर घंटों इस उम्मीद में इंतजार करते रहे कि शायद उनसे मिलने का मौका मिल जाए, लेकिन अंदर वह अपने दोस्तों के साथ बीयर पी रहे थे और मौज-मस्ती कर रहे थे। रणवीर के मुताबिक, उस व्यक्ति ने मजा करने के लिए अपने पालतू कुत्ते को उनके पीछे छोड़ दिया। अचानक बड़ा सा कुत्ता उनकी तरफ दौड़ पड़ा और वह डर के मारे पूरे बरामदे में भागने लगे। रणवीर ने कहा, 'मैं बुरी तरह डर गया था। सोचिए, एक किस्सा-5-अमेरिका में स्टारबक्स में वेटर का काम किया थाः- रणवीर सिंह अमेरिका में पढ़ाई के दौरान पार्ट-टाइम नौकरी करते थे। इंडियाना यूनिवर्सिटी ब्लूमिंगटन में टेलीकम्युनिकेशन की पढ़ाई करते समय उन्होंने अपने खर्च पूरे करने के लिए स्टारबक्स कॉफी हाउस में वेटर और सर्वर का दामन थामा किया।रणवीर ने इस बात का खुलासा खुद 'कॉफी विद करण' शो में किया था। उन्होंने बताया कि नौकरी के दौरान वह वहां आने वाली लड़कियों को इम्प्रेस करने की पूरी कोशिश करते थे। इसके लिए उन्होंने अपने बाल लंबे रखे थे। इतना ही नहीं, वह मशहूर एनिमेटेड शो 'द सिम्पसन्स' के किरदार 'अपू' की तरह जानबूझकर भारतीय लहजे में अंग्रेजी बोलते थे, ताकि लोग उन्हें अलग और दिलचस्प समझें। अमेरिका में रहते हुए रणवीर ने एक्स्ट्रा पैसे कमाने के लिए बटर चिकन बेचने का काम भी किया था। किस्सा-6-सगाई को तीन साल तक सीक्रेट रखाः-साल 2015 में रणवीर ने दीपिका पादुकोण को शादी के लिए प्रपोज किया था। उस वक्त दोनों ने अपनी सगाई की बात दुनिया से छिपाकर रखी और करीब तीन साल तक यह राज सिर्फ परिवार के कुछ लोगों तक ही सीमित रहा। करण जौहर के शो में रणवीर ने बताया था कि उस समय उन्होंने अपनी मां और बहन की मदद से एक शानदार डायमंड रिंग खरीदी थी। वह रिंग उनकी हैसियत से कहीं ज्यादा महंगी थी, लेकिन उनके लिए दीपिका की खुशी सबसे बढ़कर थी। हॉलिडे के दौरान रणवीर ने तय किया कि प्रपोज करने का यही सही मौका होगा। मालदीव में समुद्र के बीचों-बीच एक छोटी-सी रेतीली जगह थी। चारों तरफ सिर्फ नीला पानी था और दूर-दूर तक कोई नहीं था। नाव उन्हें वहां छोड़कर चली गई। रणवीर को लगा कि इससे बेहतर पल शायद कभी नहीं मिलेगा। उन्होंने बाद में मजाक में यह भी स्वीकार किया था कि उन्होंने जानबूझकर इतना परफेक्ट माहौल चुना था, ताकि दीपिका के लिए उन्हें 'न' कहना लगभग नामुमकिन हो जाए। रणवीर घुटनों के बल बैठे, दीपिका को अंगूठी पहनाई और अपने दिल की बात कह दी। दीपिका इस सरप्राइज के लिए बिल्कुल तैयार नहीं थीं। उनकी आंखें नम हो गईं और उन्होंने मुस्कुराते हुए 'हां' कह दिया। उस एक जवाब ने रणवीर को ऐसा एहसास कराया, मानो उन्होंने पूरी दुनिया जीत ली हो। तीन साल बाद, नवंबर 2018 में इटली के लेक कोमो में दोनों ने शादी की। सितंबर 2024 में उनकी बेटी दुआ का जन्म हुआ। किस्सा-7-'बेफिक्रे' में रणवीर ने वाणी को 23 बार किस किया थाः- फिल्म 'बेफिक्रे' में रणवीर सिंह और वाणी कपूर के बीच कुल 23 किसिंग सीन फिल्माए गए थे। नवंबर 2016 में जब दोनों अपनी फिल्म के प्रमोशन के लिए 'द कपिल शर्मा शो' (एपिसोड 63) में पहुंचे, तब इन 23 किसिंग सीन्स को लेकर शो में खूब हंसी-मजाक हुआ। बातचीत के दौरान रणवीर ने शूटिंग का एक दिलचस्प किस्सा भी सुनाया। उन्होंने कहा था, 'शूटिंग के दौरान मैं तो थक गया था यार, वाणी को किस करते-करते।' रणवीर ने बताया कि लगातार इतने किसिंग सीन शूट करते-करते यह सब उनके लिए रोजमर्रा का हिस्सा बन गया था। कभी दाईं तरफ से शॉट देना होता, कभी बाईं तरफ से, फिर रीटेक... देखते-देखते पूरा प्रोसेस एक रूटीन जैसा हो गया था। वहीं, वाणी ने कहा था कि एक समय ऐसा आ गया था जब उन्हें इन सीन्स से कोई फर्क ही नहीं पड़ता था। दोनों इतने सहज हो गए थे कि कई बार खाना खाने के तुरंत बाद भी बिना किसी खास तैयारी के शूटिंग शुरू कर देते थे। किस्सा-8-'पद्मावत' के एक सीन के लिए रजा मुराद ने 24 थप्पड़ मारे थेः-फिल्म 'पद्मावत' की शूटिंग के दौरान एक सीन में रजा मुराद को रणवीर सिंह को थप्पड़ मारना था। आमतौर पर ऐसे सीन एक-दो टेक में पूरे हो जाते हैं, लेकिन निर्देशक संजय लीला भंसाली अपनी बारीकी और परफेक्शन के लिए जाने जाते हैं। इसलिए इस सीन को बेहतरीन ढंग से फिल्माने के लिए उन्होंने कई रीटेक करवाए। हर रीटेक में रजा मुराद को रणवीर को थप्पड़ मारना पड़ा। नतीजा यह हुआ कि रणवीर ने इस एक सीन के लिए 24 थप्पड़ खाए। आखिरकार सीन तो ओके हो गया, लेकिन रणवीर के गालों की लाली लंबे समय तक नहीं गई। किस्सा-9-'धुरंधर 2' में 48 डिग्री की गर्मी में लेदर जैकेट और विग पहन की थी शूटिंगः- रणवीर की ब्लॉकबस्टर फिल्में 'धुरंधर' और 'धुरंधर 2' ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर इतिहास रच दिया। दोनों फिल्मों ने दुनिया भर में रु3000 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर नया रिकॉर्ड बनाया। लेकिन पर्दे पर दिखने वाले इन दमदार दृश्यों के पीछे रणवीर की कड़ी मेहनत और समर्पण छिपा था। 'धुरंधर 2' के क्लाइमेक्स की शूटिंग किसी चुनौती से कम नहीं थी। 47-48 डिग्री की झुलसाती गर्मी, चारों ओर तपते मेटल कंटेनर, भारी पठानी सूट, लेदर जैकेट और सिर पर विग पहनकर रणवीर ने लगातार शूटिंग की। मेकअप और प्रोस्थेटिक आर्टिस्ट करनदीप सिंह ने बताया था कि सिर्फ इस क्लाइमेक्स सीन की तैयारी में, रिहर्सल समेत, 15 से 20 दिन लगे। लुधियाना के बाहरी इलाके में फिल्माए गए इस एक्शन सीक्वेंस में रणवीर को जलते कंटेनरों पर छलांग भी लगानी पड़ी। हालात इतने मुश्किल थे कि पूरी टीम के लिए खाना खाना तक आसान नहीं था। इसके बावजूद रणवीर ने बिनाः-किसी शिकायत के हर सीन पूरे डेडिकेशन और भरपूर एनर्जी के साथ पूरा किया। किस्सा-10-'धुरंधर' की सफलता के बाद भारत के सबसे महंगे एक्टर बनेः- फिल्म 'धुरंधर' की सफलता के बाद रणवीर सिंह सबसे ज्यादा फीस लेने वाले एक्टर बन गए। दरअसल, फिल्म 'धुरंधर' के लिए उन्होंने मेकर्स से फिक्स फीस नहीं मांगी। इसके बजाय उन्होंने कहा कि अगर फिल्म सफल होगी, तो वह उसके मुनाफे में हिस्सेदारी लेंगे।

रणवीर के फिल्मों में डेब्यू से पहले उनकी दादी चांद बर्क का 28 दिसंबर 2008 को निधन हो गया था।

जब 'धुरंधर' और इसकी फ्रेंचाइजी ने रिकॉर्ड कारोबार किया, तो रणवीर को थिएटर कमाई के साथ डिजिटल, सैटेलाइट, म्यूजिक राइट्स और परफॉर्मेंस बोनस से भी बड़ा हिस्सा मिला। हिंदुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, इन सभी सोर्स से रणवीर की कुल कमाई 325 करोड़ रुपए तक पहुंच गई। इसी के साथ वह भारत के सबसे ज्यादा कमाई करने वाले अभिनेता बन गए। इस मामले में उन्होंने शाहरुख खान, रजनीकांत, प्रभास और अल्लू अर्जुन जैसे बड़े सितारों को भी पीछे छोड़ दिया।

पति हैं गुस्से वाले-खुश रहें तो प्यार जताएं, लेकिन अंदाज़ा नहीं मिजाज़ कब बिगड़ जाए, डर में रहती हूं, क्या करूं?

नोएडा। सवाल- मेरी उम्र 33 साल है और मेरी शादी को 4 साल हो चुके हैं। मेरे पति बहुत गुस्से वाले हैं। जब वे गुस्से में नहीं होते, तो बहुत ख्याल रखते हैं, लेकिन गुस्सा आने पर उन्हें संभालना मुश्किल हो जाता है। इस वजह से मेरा भी ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है। मैं हमेशा डरी हुई रहती हूं कि न जाने उन्हें किस बात पर गुस्सा आ जाए। अब इस सिचुएशन से निपटना मेरे लिए मुश्किल हो रहा है। मुझे क्या करना चाहिए? विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. जया सुकुल, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट, नोएडा जी से सवाल जवाब के माध्यम से। जवाब- अपनी समस्या शेयर करने के लिए शुक्रिया। आपकी स्थिति काफी गंभीर है और इसे समझना बहुत जरूरी है। साइकोलॉजी में इस कंडीशन को 'वॉकिंग ऑन एगशेल्स' कहते हैं। यानी आप हर वक्त इस डर में रहती हैं कि आपके किसी कदम से सामने वाला गुस्से से 'फट' न जाए। 4 साल का समय ये समझने के लिए पर्याप्त है कि यह केवल उनका 'स्वभाव' नहीं, बल्कि एक कंसर्निंग पैटर्न है। प्यार और गुस्से का यह 'भ्रम' खतरनाक- अक्सर ऐसे रिश्तों में पार्टनर एक अजीब तरह के भ्रम में रहता है। आप कहती हैं कि 'जब वे गुस्से में नहीं होते, तो बहुत ख्याल रखते हैं।' यही वह 'ट्रैप' है, जो आपको इस टॉक्सिक कंडीशन से बाहर नहीं निकलने देता। साइकोलॉजी के अनुसार, इसे 'इंटरमिटेंट रीइन्फोर्समेंट' कहते हैं। जब कोई व्यक्ति बुरा व्यवहार करता है और फिर अचानक बहुत सारा प्यार दिखाता है, तो सामने वाले को लगता है कि 'वह दिल के बुरे नहीं हैं, बस गुस्सा आ जाता है।' याद रखें, उनका अच्छा व्यवहार उनके अग्रेसिवनेस को जायज नहीं ठहराता। प्यार के बदले में डर की कीमत चुकाना किसी भी स्वस्थ रिश्ते की निशानी नहीं है। डर के साये में पनपने वाला रिश्ता धीरे-धीरे अपनी पहचान और आत्मविश्वास को खत्म कर देता है। आपके शरीर को मिल रहे हैं 'वार्निंग सिग्नल' आपका बढ़ता ब्लड प्रेशर और लगातार रहने वाली एंग्जाइटी महज एक फिजिकल इश्यू नहीं हैं। इसे 'साइकोसोमैटिक इफेक्ट' कहते हैं। जब ब्रेन किसी तनाव को प्रोसेस नहीं कर पाता या आप अपनी भावनाओं को लंबे समय तक दबाकर रखते हैं, तो ये धीरे-धीरे किसी बीमारी का रूप ले लेता है।लगातार डर में रहने से शरीर में 'कोर्टिसोल' (स्ट्रेस हॉर्मोन) का लेवल बढ़ जाता है। ये इम्यूनिटी, हार्ट बीट और ब्लड प्रेशर पर सीधा असर डालता है। आपका शरीर बार-बार चेतावनी दे रहा है कि यह माहौल आपके लिए सुरक्षित नहीं है। अगर आज इस पर ध्यान नहीं दिया, तो यह समस्या भविष्य में हार्ट डिजीज या क्रॉनिक डिप्रेशन का रूप ले सकती है। पति के गुस्से की वजह समझें- हर बार गुस्सा सिर्फ स्वभाव से जुड़ा नहीं होता है। कई बार इसके पीछे तनाव, पुराने अनुभव, भावनाओं को व्यक्त करने में कठिनाई या खुद को समझा न पाने की परेशानी भी छिपी हो सकती है। अक्सर पत्नियां खुद को दोष देने लगती हैं या पति को शांत करने की जिम्मेदारी उठा लेती हैं। लेकिन यहां ये समझना जरूरी है कि आप किसी के गुस्से की 'मैनेजर' नहीं हैं। उन्हें शांत करना या उनके ट्रिगर को बचाना आपकी ड्यूटी नहीं है। गुस्सा कब एब्यूजिव हो सकता है,जब हम किसी के साथ भावनात्मक रूप से जुड़े होते हैं, तो हमारा 'लॉजिक' काम करना बंद कर देता है। आप उनके साथ बिताए अच्छे पलों को याद कर बुरे पलों को नजरअंदाज करती हैं। लेकिन आपको ठंडे दिमाग से कुछ सवालों के जवाब खुद को देने होंगे। क्या मैं इस घर में सुरक्षित महसूस करती हूं? क्या मेरी खुशी मेरी सेहत उनकी प्राथमिकता है? क्या बच्चा इस माहौल में स्वस्थ रूप से बढ़ पाएगा? पिछली बार मैं कब बिना किसी डर के खुलकर हंसी थी ? क्या मैं अपनी बहन को ऐसे रिश्ते में रहने की सलाह देती? क्या वे हर किसी के ऊपर इसी तरह चिल्लाते हैं? क्या वे अपने गुस्से पर शर्मिंदगी महसूस करते हैं? क्या वे खुद को बदलने की बात करते हैं? क्या वे इसके लिए प्रोफेशनल मदद चाहते हैं? क्या मैं अगले 20 साल इसी डर में बिता सकती हूं? स्थिति को सुधारने के लिए क्या करें? अगर लगता है कि इस रिश्ते में अभी भी गुंजाइश है और आपके पति बदलाव के लिए तैयार हो सकते हैं, तो एक एक्शन प्लान के साथ काम करना होगा। 1. हेल्दी बाउंड्री तय करें- जब वे शांत हों, तब उनसे बात करें। उन्हें स्पष्ट शब्दों में कहें, 'मुझे आपसे प्यार है, लेकिन आपका चिल्लाना और अपमान करना मुझे स्वीकार्य नहीं है। जब आप चिल्लाएंगे, मैं उस कमरे से बाहर चली जाऊंगी।' इसे 'सेट लिमिट्स' कहते हैं। 2. बातचीत के लिए सही समय चुनें- गुस्से के दौरान दी गई कोई भी दलील 'आग में घी' का काम करती है। इसलिए पति से बातचीत के लिए ऐसा समय चुनें, जब वह खुश हों और उनका मूड अच्छा हो। इस दौरान समझदारी के साथ अपनी बात रखें। 3. प्रोफेशनल हेल्प लें- अक्सर 'घर की बातें घर में' रखने के चक्कर में हम काउंसलर से सलाह नहीं लेते। लेकिन ऐसे समय में प्रोफेशनल हेल्प लेना जरूरी है। इसके लिए 'कपल थेरेपी' या 'एंगर मैनेजमेंट' की क्लासेज जॉइन कर सकते हैं। अगर वे ऐसा करने से मना करते हैं, तो यह संकेत है कि उन्हें आपकी परवाह नहीं है।4. अपना सपोर्ट सिस्टम बनाएं- अकेले इस बोझ को न उठाएं। अपने माता-पिता या किसी भरोसेमंद दोस्त को इस स्थिति के बारे में बताएं। जब लोग जानते हैं कि क्या हो रहा है, तो सामने वाले पर एक सामाजिक दबाव भी बनता है कि वह अपना व्यवहार सुधारे। गुस्से से कैसे निपटें? प्रोफेशनल हेल्प के दौरान भी आपको खुद ही इस गुस्से से निपटना होगा तो इसके लिए कुछ बातों का खास ख्याल रखें। किसी भी रिश्ते को बचाने की जिम्मेदारी केवल एक व्यक्ति की नहीं होती। अगर पति बदलाव के लिए तैयार नहीं हैं, अपनी गलती नहीं मानते और आपका स्वास्थ्य लगातार खराब हो रहा है, तो आप समझदारी से फैसला ले सकती हैं। अंतिम सलाह- आपकी सुरक्षा और आत्म-सम्मान सबसे ऊपर है। पति के अच्छे व्यवहार के दिनों को ढाल बनाकर उनके बुरे व्यवहार को नजरअंदाज न करें। अगर वे बदलाव के लिए तैयार नहीं हैं और आपकी सेहत बिगड़ती जा रही है, तो आपको अपने भविष्य और सुरक्षा के लिए समझदारी से सही फैसला लेना चाहिए।

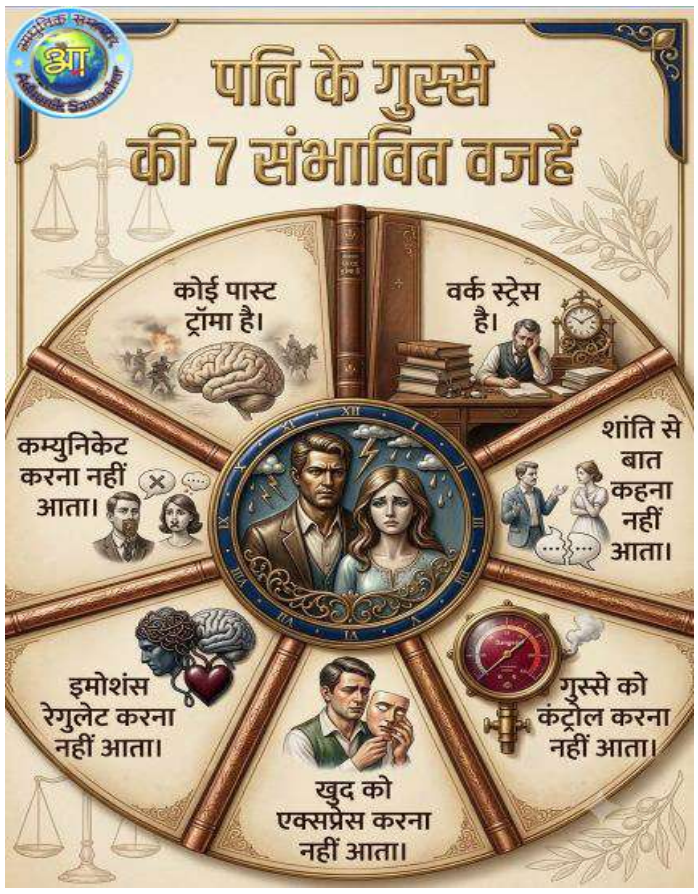

किचन में जंग लगा चाकू तुरंत फेंकें, कंटेमिनेशन का रिस्क, एफएसएसएआई की चेतावनी, 6 संकेत दिखें तो चाकू बदलें

नयी दिल्ली। आपके किचन में रखा चाकू अगर जंग खा गया है तो उसे तुरंत हटाएं। जंग लगा या टूटा-फूटा चाकू फूड कंटैमिनेशन की वजह बन सकता है। अगर चाकू पर जंग लगी हो, उसका ब्लेड टूटा हो, किनारे खुरदरे हों या उस पर पेंट और गंदगी की परत जमी हो, तो उसके कण खाने में मिल सकते हैं। जंग के कण, बैक्टीरिया और धातु के सूक्ष्म टुकड़ों के खाने में मिलने से हेल्थ रिस्क हो सकता है। इसे लेकर भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने देशभर के फूड बिजनेस ऑपरेटर्स (एफबीओएस) के लिए एडवाइजरी जारी की है। उन्हें जंग लगे, क्षतिग्रस्त और गैर-फूड ग्रेड चाकू व कटिंग उपकरणों का इस्तेमाल तुरंत बंद करने की सलाह दी है। हालांकि यह एडवाइजरी फूड बिजनेस ऑपरेटर्स के लिए है, लेकिन इससे हर घर के किचन के लिए भी एक जरूरी सीख मिलती है। इसलिए आज 'जरूरत की खबर' में एफएसएसएआई के चाकू के बारे में दिए निर्देश पर बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि- जंग लगा चाकू फूड कंटैमिनेशन का खतरा कैसे बढ़ाता है? इससे क्या हेल्थ रिस्क हो सकते हैं? घर में फूड सेफ्टी के लिए किन बातों का ध्यान रखें? सवाल- एफएसएसएआई ने जंग लगे चाकुओं पर रोक क्यों लगाई है? जवाब- सुरक्षित फूड स्टैंडर्ड बनाए रखने के लिए यह कदम उठाया गया है क्योंकि जंग लगे चाकू से-फूड सेफ्टी और हाइजीन प्रभावित होती है। खाने में जंग और मेटल के कण मिल सकते हैं। भोजन दूषित हो सकता है।भोजन में बैक्टीरिया पनप सकते हैं। सेहत को नुकसान हो सकता है। सवाल- किस तरह के चाकुओं और उपकरणों पर एफएसएसएआई ने चिंता जताई है? जवाब- एफएसएसएआई के

मुताबिक, कई फूड बिजनेस ऑपरेटर्स ऐसे चाकू और कटिंग उपकरण इस्तेमाल कर रहे थे, जो भोजन को दूषित कर सकते हैं। ग्राफिक में देखिए, किन उपकरणों के इस्तेमाल से बचने की सलाह दी गई है। एफएसएसएआई की सलाह ऐसे उपकरण यूज न करेंः-जंग लगे उपकरण, क्षतिग्रस्त उपकरण, टूटे किनारों वाले ब्लेड, दरार वाले उपकरण, पेंट लगे उपकरण, टूटे-फूटे कटिंग उपकरण। सवाल- जंग लगे चाकू से कटा खाना क्यों खतरनाक है? जवाब- इसे पॉइंटर्स से समझिए- फूड कंटैमिनेशनः जंग और मेटल के सूक्ष्म कण खाने में मिल सकते हैं। बैक्टीरियल ग्रोथः जंग लगी और खुरदरी सतह पर बैक्टीरिया आसानी से पनप सकते हैं। क्रॉस-कंटैमिनेशनः अगर चाकू ठीक से साफ न हो तो एक फूड के जर्म्स दूसरे में पहुंच सकते हैं। फिजिकल कंटैमिनेशनः चाकू के टूटे या चिप्ड हिस्सों के छोटे कण खाने में मिल सकते हैं। इन्हीं कारणों से एफएसएसएआई ने फिजिकल, केमिकल और माइक्रोबायलॉजिकल कंटैमिनेशन की आशंका जताई है। जंग लगा चाकू यूज करने से खाने में रस्ट पार्टिकल्स, बैक्टीरिया और दूसरे दूषित तत्व मिल सकते हैं। इससे फूड कंटैमिनेशन, पेट संबंधी संक्रमण, उल्टी-दस्त और फूड पॉइजनिंग का रिस्क बढ़ता है। इसलिए हमेशा साफ और जंग मुक्त चाकू ही यूज करें। - फूड कंटैमिनेशन बढ़ने पर कई तरह की हेल्थ प्रॉब्लम्स हो सकती हैं। फूड पॉइजनिंग, पेट दर्द, उल्टी, दस्त, डाइजेस्टिव इश्यू, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल इन्फेक्शन, बैक्टीरियल संक्रमण, किन लोगों को रिस्क ज्यादा? बच्चे, बुजुर्ग, जिन्हें डायबिटीज है। जिन्हें कोई हेल्थ कंडीशन है। जिन्हें कोई क्रॉनिक बीमारी है। गर्भवती महिलाएं, जिनकी इम्यूनिटी कमजोर है।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डॉ. दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। संपादक/प्रकाशक डा.पुनीत अरोरा मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।